हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, गुरुवार 9 अप्रैल 2026

12 दमकल कर्मियों ने ड्यूटी छोड़ की हड़ताल

12 बचत बैंक और नागरिक सेवाओं में हिसार डाक...

खबर संक्षेप

नशा तस्करी में बहू के बाद सास भी गिरफ्तार

हिसार। शहर की आंबेडकर बस्ती में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक महिला को काबू किया है। महिला की पहचान आंबेडकर बस्ती की बिमला के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार एक दिन पहले ही पुलिस ने आंबेडकर बस्ती से महिला पूजा को 33.82 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया था। पूजा ने पूछताछ में बताया कि वह अपनी सास बिमला के साथ मिलकर नशा बेचती है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने उसकी सास बिमला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने बिमला को अदालत में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे यह नशा कहां से लाती थीं और शहर में उनके अन्य संपर्क सूत्र कौन हैं।

ब्लैक फिल्म लगी स्कार्पियो का ₹10 हजार का चालान

हिसार। यातायात नियमों का पालन करवाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ट्रैफिक चेकिंग के दौरान पुलिस ने ब्लैक फ़िल्म लगवाए हुए राजस्थान नंबर की स्कार्पियो गाड़ी का 10 हजार रूपए चालान किया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार ट्रैफिक स्टाफ ने फव्वारा चौक पर लगाए गए चेकिंग प्वाइंट के दौरान एक स्कार्पियो गाडी को जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान पाया गया कि उक्त वाहन में अवैध रूप से ब्लैक फ़िल्म लगाई हुई थी। इस पर ट्रैफिक पुलिस ने नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए गाडी का मौके पर ही 10 हजार का चालान किया।

पुलिस ने चिट्टे के साथ एक युवक को दबोचा

नारनौंद। पुलिस की टीम ने गश्त की दौरान नारनौंद के खांडा मोड़ पर नशीले पदार्थ सहित एक युवक को काबू किया है। इसकी पहचान नारनौंद निवासी सुमित के रूप में हुई हैं। उप निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने नारनौंद-राजथल रोड पर टी-पॉइंट पर गांव भैणी अमीरपुर के सामने नाकाबंदी जांच कर रही थी। इस दौरान एक युवक पैदल आता दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर अचानक भागकर खेतों की ओर जाने लगा। शक के आधार पर उसे काबू कर पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम सुमित निवासी नारनौंद बताया। जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 3.30 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई।

सट्टा खाईवाली करता युवक नकदी के साथ पकड़ा गया

नारनौंद। सीआईए नारनौंद की टीम ने सट्टा खाईवाली करते एक युवक को काबू किया और उसके पास हजारों रुपये की नकदी बरामद की। पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान सूचना मिली कि सुनील कुमार निवासी वार्ड नं. 2 नारनौंद गांव बुडाना रोड के नजदीक स्ट्रीट लाइट की रोशनी में सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहा है और लोगों को सट्टा लगाने के लिए उकसा रहा है। पुलिस टीम ने तुरंत टीम तैयार की तथा एक कर्मचारी को सादी वर्दी में बोगस ग्राहक बनाकर मौके पर भेजा गया। संकेत मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपित युवक को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से सट्टा पर्ची व 20,130 रुपये बरामद हुए।

नगर निगम की टीम ने पकड़े 29 बेसहारा पशु

हिसार। नगर निगम द्वारा बेसहारा पशुओं को पकड़ने का अभियान लगातार जारी है। इस अभियान के सहायक नोडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा की देखरेख में नगर निगम की टीम ने बुधवार को विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। नोडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि नगर निगम की टीम ने सेक्टर-14, सेक्टर-33, हाउसिंग बोर्ड, सेक्टर 1-4, पड़ाव चौक, सातरोड़, सूर्य नगर के आस-पास क्षेत्र से 29 बेसहारा पशुओं को पकड़ा। पकड़े गए पशुओं को गो अभ्यारण्य भेज दिया गया है। एएसआई संदीप बिश्नोई व पुलिस विभाग की टीम भी मौजूद रही।

'छोटू' की बड़ी मुश्किल कम वेट, कमर्शियल रेट

योजना की निकली गैस जरूरतमंदों को नहीं लुभा पा रहा 5 किलो का सिलेंडर

राजेश्वर बैनीवाल ⏭ हिसार

रिफिल दरें सुनकर उड़ रहे होश, सस्ते की वजह से घरेलू सिलेंडर ही बना पसंद

घरेलू गैस सिलेंडर न मिले तो चूल्हे का सहारा लेना पसंद कर रहे श्रमिक और जरूरतमंद

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने भी नहीं उठाई सरकार की योजना के प्रचार की जहमत

सरकार ने गैस एजेंसियों पर पांच किलो का सिलेंडर देने की घोषणा भले ही कर दी हो, लेकिन इसके कम वेट और कमर्शियल रेट के कारण 'छोटू' जरूरतमंदों को लुभा नहीं पा रहा है। पांच किलो के ये गैस सिलेंडर एजेंसियों पर शो पीस बनकर रह गए हैं। कमर्शियल के ठप्पे के कारण इसके रिफिल की कीमत भी इसके प्रचार-प्रसार में बड़ी बाधा बन रही है। श्रमिकों व जरूरतमंदों की मानें तो विभागीय अधिकारी भी इसके प्रचार-प्रसार में खास रूचि नहीं दिखा रहे हैं और यही कारण है कि बात किए जाने पर अधिकतर को यह पता भी नहीं था कि केवल सरकार की घोषणानुसार केवल एक आईडी पर सिलेंडर मिल सकता है। एक तो प्रचार का अभाव व महंगी रिफिल दरें, सरकार की घोषणा को पलीता लगाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। सरकार ने गैस संकट की आशंका के चलते श्रमिकों व रेहड़ी पटरी वालों के लिए गैस एजेंसियों पर पांच किलो के सिलेंडर उपलब्ध करवाने की घोषणा की थी। घोषणा के कुछ समय बाद एजेंसियों पर सिलेंडर तो पहुंचे, लेकिन ये सिलेंडर उपभोक्ताओं को लुभा नहीं पाए। सरकार का मकसद था कि कोई भी छोटा परिवार, श्रमिक या रेहड़ी पटरी वाले जरूरत की घड़ी में इसका उपयोग कर सकेगा, लेकिन सरकार की यह उम्मीद अगले ही पल दम तोड़ती नजर आई, जब इसकी रिफिल की दरों का पता लगा।

गैस सिलेंडर लेने के लिए लगी लाइन

जिले में कुल घरेलू गैस उपभोक्ता	5,26,857
जिले में उज्ज्वला योजना के कनेक्शन	94441
जिले में कमर्शियल उपभोक्ता	3400
पीएनजी उपभोक्ता	1800
जिले में बीपीसीएल की एजेंसी	12
जिले में एचपीसीएल की एजेंसी	8
जिले में ओआईसी की एजेंसी	14
जिले में कुल गैस एजेंसी	34
घरेलू गैस सिलेंडर रेट	32 रुपये

गैस एजेंसियों पर अधिकता नहीं आवेदन पर ही उपलब्ध है पांच किलो का सिलेंडर

ये है 5 किलो के सिलेंडर की रिफिल दर

जानकारों का कहना है कि जहां घरेलू गैस सिलेंडर 930.50 पैसे में रिफिल होता है, वहीं पांच किलो वाले गैस सिलेंडर की रिफिल दर 618.50 रुपये है। घरेलू गैस सिलेंडर की 14 किलो गैस का मूल्य 930.50 रुपये व मात्र पांच किलो गैस का मूल्य 618.50 रुपये उपभोक्ताओं के गले नहीं उतरा और ये सिलेंडर उन्हें लुभाने में कामयाब नहीं रहा।

कमर्शियल है पांच किलो वाला एलपीजी सिलेंडर

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का कहना है कि पांच किलो वाला गैस सिलेंडर घरेलू नहीं बल्कि कमर्शियल श्रेणी में आता है। यही वजह है कि इसके रिफिल की दरें ज्यादा हैं। विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी मानते हैं कि कमर्शियल दरें होने के कारण यह पांच किलो वाला गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं के बीच जगह नहीं बना पाया।

या तो लेते घरेलू सिलेंडर या फिर चूल्हे का सहारा

शहर के पड़ाव चौक पर खड़े श्रमिक रामलुभाया ने बताया कि सिलेंडर पर रोटी बनाना गरीब श्रमिकों के वश में नहीं है। हां, कुछ सम्पन्न हो चुके श्रमिक घरेलू गैस सिलेंडर लेने का जुगाड़ कर लेते हैं, अन्यथा हमें तो चूल्हे का ही सहारा है। अर्बन एस्टेट के श्रमिक चौक पर खड़े कृष्ण तिवारी व राहुल जाटव का भी ऐसा ही मत रहा। उनका कहना है कि अति गरीब श्रमिकों के लिए यहां गैस सिलेंडर का प्रबंध करना काफी मुश्किल होता है क्योंकि उनके कागजात बाहर के प्रदेशों के होते हैं। हां, यदि किसी का जुगाड़ हो जाए तो वह बिना कनेक्शन ही घरेलू गैस सिलेंडर ले लेता है और बाद में किसी सहारे से उसे भरवा भी लेता है।

मांग पर उपलब्ध होता है सिलेंडर

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों का कहना है कि छोटे सिलेंडरों के लिए संबंधित एजेंसी के पास आवेदन करना होता है, आवेदन के बाद मांग पर ही यह सिलेंडर उपलब्ध होता है। यदि कोई लेना चाहे तो ले सकता है लेकिन कमर्शियल होने के कारण इसके प्रति रुझान नहीं है।

चेकिंग के बाद ब्लैकिए हुए सतर्क

हालांकि शहर में कई स्थानों पर घरेलू गैस सिलेंडर लाकर उनकी गैस को परचून में बेचने का कार्य कुछ समय पहले तक खुलेआम होता था लेकिन गैस संकट की स्थिति व संबंधित विभागों द्वारा की जा रही चेकिंग के चलते अब ये लोग काफी सतर्क हो गए हैं। जिन स्थानों पर इस तरह गैस भरी जा रही थी, वहां बात करने पर एक ही जवाब मिला कि अभी गैस ही नहीं है।

जिले की औद्योगिक स्थिति व श्रमिक

जिले में विभिन्न श्रेणियों के छोटे बड़े अनेक उद्योग हैं। इन उद्योगों में बाहर के प्रदेशों के श्रमिक व स्थानीय स्तर के श्रमिक काम करते हैं। जिले के सभी उद्योग सही ढंग से संचालित हो रहे हैं और गैस संकट के चलते श्रमिकों के पलायन या इससे कोई उद्योग बंद होने की नौबत नहीं है।

कार्यालय के पास नहीं सिलेंडरों का डेटा

हालांकि इस संबंधित में बार-बार फोन किए जाने पर जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक ने फोन पर बात नहीं की। कार्यालय से पता करने पर बताया गया कि पांच किलो वाले गैस सिलेंडर व 19 किलो वाले गैस सिलेंडरों का डेटा कार्यालय के पास उपलब्ध नहीं होता, उन्हें आयल कंपनियों से लेना होता है। यहां पर केवल घरेलू गैस सिलेंडर का डेटा ही उपलब्ध है।

जिले में गैस की आपूर्ति सुचारू : डीसी

डीसी महेन्द्र पाल का कहना है कि जिले में एलपीजी आपूर्ति एवं वितरण सुचारू रूप से जारी है। प्रशासन द्वारा गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए गठित टीमें लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही हैं। उपायुक्त के अनुसार आम नागरिक कार्यालय उपायुक्त प्रथम तल पर कंट्रोल रूम हेल्पलाइन नंबर 01662-241034 तथा जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक के हेल्पलाइन नंबर 01662-233944 पर कॉल कर गैस या पेट्रोलियम पदार्थों से संबंधित शिकायत या सुझाव दर्ज करवा सकता है। इन नंबरों पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का तुरंत समाधान किया जा रहा है।

सुलखनी व धांसू में गैस सिलेंडर को लेकर उमड़ी भीड़, ग्रामीण परेशान

गांवों में नहीं हो रहा स्थिति में सुधार

हिसार। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में गैस उपलब्धता की स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है। इसी के चलते बुधवार को सुलखनी व धांसू गांव में गैस सिलेंडर लेने के लिए भारी भीड़ देखने को मिल रही है। दोनों गांवों में सुबह से ही चौपाल मुख्य चौक पर लंबी-लंबी कतारें लगी रही हैं, जिससे ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से गैस की सप्लाई प्रभावित चल रही है, जिसके चलते एक साथ बड़ी संख्या में लोग सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि लोगों को कई-कई घंटे लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है, फिर भी सभी को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा। भीड़ के कारण कई जगह धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी रही, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को खास परेशानी हुई। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि वे सुबह से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक भी उनका नंबर नहीं आया। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित गैस एजेंसियों से मांग की है कि सप्लाई व्यवस्था को सुचारु किया जाए और वितरण के लिए बेहतर प्रबंधन किया जाए।

खरीद नियमों के खिलाफ लांधड़ी और चिकनवास टोल जाम 11 को

■ संयुक्त किसान मोर्चा ने मीटिंग करके किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

संयुक्त किसान मोर्चा की बुधवार को किसान रेस्ट हाउस में मीटिंग हुई। मीटिंग में किसान विरोधी कथित कानूनों के विरोध में 11 अप्रैल को सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक लांधड़ी व चिकनवास टोल के पास रोड़ जाम किया जाने का ऐलान किया। इससे पूर्व किसान नेताओं ने मीटिंग में कहा कि सरकार के किसान विरोधी कानून नहीं चलेंगे।

किसान सरकार के नए नियमों के खिलाफ है। किसानों के ऊपर लागू गेट पास और बायोमेट्रिक की जबरदस्ती बंद की जाए। उन्होंने कहा कि गेट पास और बायोमेट्रिक, ट्रैक्टर नाम प्लेट नहीं चाहिए। जैसे पहले मंडी में गेहूं बिकती थी वैसे ही बिक्री हो। एक तरफ किसान मौसम की मार से टूट रहा है, दूसरी तरफ सरकार कागजी जाल में फंसा कर उसे कुचल रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 24 घंटे खरीद शुरू नहीं हुई और ये नए नियम वापस नहीं लिए गए तो मंडी से लेकर सड़क तक बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। मीटिंग में शमशेर नम्बरदार, जोगेंद्र मय्यड़, राजीव मलिक, आज़ाद मिरान, बलराज मलिक, सरदानंद राजली, अनिल बैंदा, सतबीर धायल, जसवीर सूरा, सोमबीर भगाणा, दलबीर खरब, कपूर बगला, तजेंद्र सिंह, दिलबाग सिंह नैन, सुरेंद्र मान और प्रदीप भगाना आदि किसान-मजदूर थे।

हिसार। मार्केट कमेटी कार्यालय में विरोध जताते किसान। *फोटो : हरिभूमि*

नई अनाज मंडी में किसान संगठनों का प्रदर्शन

हिसार। सरकार द्वारा खरीद के नए नियम किसान संगठनों के गले नहीं उतर रहे हैं। हिसार और हांसी जिले में लगातार नए नियमों के विरोध में किसान संगठनों द्वारा मार्केट कमेटी कार्यालय व अनाज मंडियों में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को किसान संगठनों ने नई अनाज मंडी में मार्केट कमेटी कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया और नए नियमों को वापस लेने की मांग को लेकर मार्केट कमेटी चेयरमैन रविंद्र रॉकी तथा सचिव भरत शर्मा के सामने आपत्ति जताई। चेयरमैन व सचिव ने किसान संगठनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने दो टूक कहा कि फसल खरीद के सरकार के नए नियम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

बुलेट ने दो युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत; दूसरा गंभीर

हिसार। गांव डाटा गांव में तेज रफ्तार बुलेट ने सड़क किनारे बैठे दो युवकों को जोरदार टक्कर मारी। इस हादसे में एक युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरे घायल की हालात चिंताजनक बनी हुई है। मृतक 40 वर्षीय संदीप निवासी गांव नियाना के शव का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया।

जानकारी के अनुसार नियाना निवासी संदीप और डाटा गांव वासी दीपक ने गेहूं निकालने वाली कंबाइन मशीन खरीदी हुई थी। दोनों मंगलवार रात को कंबाइन लेकर डाटा गांव के हरपाल के खेत से गेहूं की फसल निकालने के लिए गए थे। काम पूरा होने के बाद दोनों सड़क किनारे खेत में बैठे हुए थे। इसी बीच तेजगति रफ्तार एक बुलेट सवार दो युवक आए और उन्होंने दोनों में जोरदार टक्कर मारी। जिससे संदीप व दीपक जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाया गया। संदीप की उपचार के दौरान मौत हो गई।

उकलाना: घर में लगी आग, सामान राख

■ पीवीसी शीटिंग के कारण तेजी से फैलती रही आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ उकलाना

शहर के एक मकान में मंगलवार देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और मकान में रखा लगभग सारा सामान जलकर राख हो गया। दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वजीर देवी कॉलोनी निवासी लक्की बंसल ने बताया कि मंगलवार रात वह अपनी मां के साथ खाना खाने के बाद घर से बाहर घूमने के लिए चली गई थी। इसी दौरान उसका भाई दुकान का काम खत्म कर घर आया, लेकिन वह भी कुछ समय बाद किसी कार्य से बाहर चला गया। इसी बीच देर रात घर के अंदर बने पूजा स्थल में अचानक आग लग गई। घर में किसी के मौजूद न होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। मकान की दीवारों पर पीवीसी शीटिंग होने के कारण आग ने कुछ ही समय में भयंकर रूप ले लिया। आसपास के लोगों ने जब मकान से धुआं और आग की लपटें निकलती देखीं तो तुरंत परिवार के सदस्यों को सूचना दी।

सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे तो देखा कि पूरा मकान आग की चपेट में था। घटना की खबर फैलते ही क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी गई। कुछ ही देर में दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक मकान में रखा फर्नीचर, कपड़े, घरेलू सामान और अन्य कीमती वस्तुएं पूरी तरह जल चुकी थीं।

उकलाना। घटनास्थल का निरीक्षण करते तहसीलदार रविंद्र शर्मा व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

बेकरी की ऊपरी मंजिल पर जेनरेटर में लगी आग

बरवाला। वार्ड नंबर 3 बूस्टिंग स्टेशन के सामने स्थित बिस्कुट बेकरी की ऊपरी मंजिल पर रखे जनरेटर में बुधवार प्रात: अचानक आग लग गई। पड़ोसियों के लगभग आधे घंटे के अथक प्रयासों से इस आग पर काबू पाया जा सका। परंतु तब तक जनरेटर, बैटरी, स्टेबलाइजर व फाइबर जल गए। बिजली के शॉर्ट सर्किट से इस आग के लगने का कारण बताया जा रहा है। वार्ड नंबर 3 निवासी तारा चंद ने बताया कि बुधवार प्रात: 7 बजे तारा चंद बिस्कुट बेकरी की ऊपरी मंजिल पर रखे जनरेटर में से पड़ोसियों ने धुंआ उठता देखा तो इसकी सूचना पड़ोसियों ने तुरंत फोन पर दी। सूचना पाते ही वह अपनी ताराचंद बिस्कुट बेकरी में पहुंचा तो पाया कि बिस्कुट बेकरी की ऊपरी मंजिल पर रखे जनरेटर में आग लगी हुई थी। पड़ोसियों ने बिना देरी किए जनरेटर में लगी आग पर मिट्टी और पानी डालकर काबू पाया। इस घटना से बेकरी मालिक तारा चंद को लगभग एक लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

समीक्षा डीसी बोले- एएनएम और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की जवाबदेही तय की जाए

असामान्य लिंगानुपात वाले क्षेत्रों में होगी विशेष निगरानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

लघु सचिवालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभागार में बुधवार को उपायुक्त महेंद्र पाल की अध्यक्षता में पीएनडीटी तथा जिला स्तरीय नारकोटिक्स समन्वय समिति (एनकॉर्ड) से संबंधित जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पीएनडीटी समीक्षा के दौरान जिले के लिंगानुपात, पीएनडीटी व एमटीपी अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई, निरीक्षणों और जागरूकता कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को लगातार कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में लिंगानुपात असामान्य है, वहां विशेष निगरानी रखी जाए तथा एएनएम और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की जवाबदेही तय की जाए। सिविल सर्जन की तरफ से उन्हें अवगत करवाया गया कि मार्च महीने लिंगानुपात 983 दर्ज किया गया है। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद, हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल, सिविल सर्जन डॉ. सपना गहलावत, जिला कार्यक्रम अधिकारी मंजू राणा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रामरतन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हिसार। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते उपायुक्त महेंद्र पाल।

मेडिकल स्टोर्स का करें निरीक्षण

जिला स्तरीय नारकोटिक्स समन्वय समिति (एनकॉर्ड) की बैठक में उपायुक्त ने ड्रग कंट्रोल अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के सभी मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरे व अन्य जरूरी मानकों के संबंध में रिपोर्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए स्कूलों व कॉलेजों में जागरूकता अभियान तेज किए जाएं और विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए। बैठक के दौरान नशा मुक्त भारत अभियान के तहत चल रही गतिविधियों, नशा मुक्ति केंद्रों की स्थिति, मेडिकल स्टोर्स की जांच और शिक्षण संस्थानों व खेल अकादमियों में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई।

नशा छोड़ चुके लोगों की ट्रैकिंग की जाए

उपायुक्त ने पुलिस विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए कि एनडीपीएस अधिनियम से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की जाए। नशा छोड़ चुके लोगों की भी ट्रैकिंग की जाए। पुलिस विभाग को नशे से प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस विभाग की ओर से उपायुक्त को अवगत करवाया गया कि मार्च महीने में 38 विजिट किए गए। इन विजिट में 33 नशे के आदी व्यक्ति की पहचान की गई।

हांसी। आम नागरिक की समस्याएं सुनते उपायुक्त राहुल नरवाल।

समय रहते ड्रेनों की सफाई करवाएं: डीसी

हांसी। उपायुक्त राहुल नरवाल ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले की सभी ड्रेनों की साफ-सफाई का कार्य समय रहते पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। डीसी राहुल नरवाल बुधवार को जिला सचिवालय परिसर में नागरिकों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी ने कहा कि जिले की सभी 38 ड्रेनों की सफाई को लेकर सिंचाई विभाग द्वारा विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस प्रस्ताव के तहत प्रत्येक ड्रेन की स्थिति का आकलन कर सफाई कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रस्ताव को शीघ्र अंतिम रूप देकर कार्य शुरू किया जाए, ताकि आगामी मानसून से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हो सकें। उन्होंने कहा कि हांसी ड्रेन, बीएमपीसी, सीसाय ड्रेन तथा एचएमपीसी जैसी बड़ी और महत्वपूर्ण ड्रेनों की सफाई के लिए आधुनिक मशीनों का भी प्रयोग किया जाएगा। डीसी नरवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रेनों की साफ सफाई का कार्य प्रारंभ होने के उपरांत नियमित मॉनिटरिंग की जाए और सफाई कार्य की प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्रेनों की सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

चाकुओं से हमले में घायल की मौत, हत्या का केस दर्ज

■ चांदी के कड़े को लेकर चल रही रंजिश में की थी वारदात

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

चांदी के कड़े को लेकर शिव कॉलोनी में हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दी। घटना रविवार की है। हत्या का आरोप दो युवकों पर लगा है। इस मामले में पहले पुलिस ने मारपीट का केस दर्ज किया था और अब उसमें हत्या की धारा और जोड़ दी है। बिहार के औरंगाबाद जिले व हाल शिव कॉलोनी निवासी ददनराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह जिंदल चौक स्थित एक पेट्रोल पंप पर काम करता है।

रविवार रात करीब उसे शोर सुनाई दिया। उसने गली में देखा कि बिहार के औरंगाबाद जिले के गांव रामसागर व हाल शिव कॉलोनी निवासी लक्ष्मण उर्फ कालू और औरंगाबाद जिले के गांव रुद व हाल शिव कॉलोनी निवासी मृत्युंजय उर्फ ननका उसके भाई बबन के साथ झगड़ा कर रहे थे। इस दौरान हमलावरों ने उसके भाई पर चाकू से कई वार किए। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में भवन को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उपचार के दौरान मंगलवार को उसकी मौत हो गई। शिकायतकर्ता के अनुसार कुछ महीने पहले हत्यारोपी लक्ष्मण ने 3-4 माह पहले लक्ष्मण ने बबन के लड़के मिथुन से चांदी का कड़ा लिया था। मिथुन ने अपना कड़ा वापस मांगा तो वह आनाकानी करने लगा। कड़ा वापस लेने के लिए मिथुन ने अपने साथियों के साथ लेकर लक्ष्मण पर हमला भी किया था इसी रंजिश के चलते हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है।

उधर, मामले के जांच अधिकारी सुभाष के अनुसार इस मामले में दो नामजद के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में हत्या की धारा भी जोड़ ली गई है।

सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'हुई गुम यादें- एक डॉक्टर, दो जिंदगियां' में डॉक्टर देव का किरदार इकबाल खान निभा रहे हैं। सीरियल में वे काफी फिट दिखते हैं। यहां शेयर कर रहे हैं अपना फिटनेस फंडा अपनी ही जुबानी।

कितना भी बिजी क्यों न रहूं वर्कआउट जरूर करता हूं

फिटनेस फंडा
इकबाल खान

एक्टर इकबाल खान अपनी एक्टिंग के साथ फिटनेस पर भी पूरा ध्यान देते हैं। जिस तरह सीरियल 'हुई गुम यादें - एक डॉक्टर, दो जिंदगियां' में अपने रोल को परफेक्ट बनाने के लिए वे कोई कसर नहीं छोड़ते, उसी तरह अपनी फिटनेस को भी मेंटेन करने के लिए सभी एफर्ट करते हैं। यहां जानिए उनका फिटनेस फंडा।

डाइट प्लानः मेरा बेसिकली कोई तय डाइट प्लान नहीं होता है। मुझे जिस किस्म की आवश्यकता होती है, मैं वैसे डाइट प्लान कर लेता हूं। मैं अपने आप को किसी चीज या काम से महरूम नहीं करता। थोड़ा-थोड़ा सब कर लेता हूं। उसी तरह थोड़ा-थोड़ा खा लेता हूं सब कुछ। जैसी आवश्यकता होती है, वैसी ही डाइट लेता हूं।

वर्कआउट रुटीनः मैं स्कूल के दिनों से ही वर्कआउट करता आ रहा हूं। मैं सिर्फ इसलिए डेली वर्कआउट नहीं करता कि मैं एक एक्टर हूं, ये आदत तो बचपन से ही मेरे अंदर बसी हुई है। मैं बेसिकली वेट ट्रेनिंग करता हूं और हफ्ते में पांच से छह दिन जिम जाता हूं। हालांकि रमजान के दौरान मैं वर्कआउट नहीं करता। बाकी दिनों में ज्यादातर फोकस वेट्स पर ही रहता है। जहां तक कार्डियो एक्सरसाइज की बात है तो सच कहूं तो मुझे उसे करने में बिल्कुल मजा नहीं आता है। मुझे पता है कि कार्डियो बहुत अच्छी एक्सरसाइज होती है, लेकिन वो मुझसे हो नहीं पाता है।

जरूर निकालता हूं टाइमः एक्टिंग की वजह से या पर्सनल वर्क से चाहे मैं कितना भी बिजी रहूं, लेकिन वर्कआउट के लिए वक्त तो निकालना ही पड़ता है। मुझे सुबह उठना ज्यादा ठीक लगता है, इसलिए मैं सुबह-सुबह ही अपना वर्कआउट खत्म कर लेता हूं। इससे पूरा दिन भी अच्छा गुजरता है, मैं फ्रेश और एनर्जेटिक फील करता हूं। इसलिए काम पर निकलने से पहले ही मैं अपना वर्कआउट कंप्लीट कर लेता हूं।

रीडर्स को मैसेजः हरिभूमि के रीडर्स और अपने फैंस को मैं यही फिटनेस फंडा देना चाहूंगा कि जो लोग अपनी ट्वेंटीज में हैं, वो अच्छा खाना खाएं और थोड़ा-थोड़ा सब कुछ खाएं। कभी-कभी थोड़ा ज्यादा भी हो जाए तो चलेगा। जो लोग थर्टीज में हैं, उन्हें मीठा थोड़ा कम खाना चाहिए और तला हुआ भी कम करना चाहिए। बाकी अच्छा और बैलेंस्ड खाना खाते रहें। और जो 40 के ऊपर हैं, उन्हें कोशिश करनी चाहिए कि मीठा बहुत कम खाएं, और अगर खाना ही है तो नेचुरल सोर्स से लें। तला हुआ खाना बिल्कुल अवॉइड करें और हफ्ते में कम से कम तीन बार वर्कआउट जरूर करें। ये बहुत जरूरी है, इससे आपका हार्ट, मसल्स और जॉइंट्स सब अच्छे रहते हैं। ये भी जरूरी नहीं है कि बहुत भारी वेट्स ही उठाएं। नॉर्मल वेट्स में, जहां आपका मसल्स सही से काम करें, वही काफी है। सबसे जरूरी है कि आप नियमित रूप से वर्कआउट करें। और खाने के मामले में सबसे जरूरी बात यह है कि सीमित मात्रा में खाना चाहिए, ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि जैसे पता नहीं कल खाना मिलेगा या नहीं, इसलिए आज ही अधिक से अधिक खा लो।

मेंटल हेल्थ ऐसे रहती है सहीः जब हम छोटे थे, तब मानसिक स्वास्थ्य जैसी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। लेकिन अब इसके प्रति काफी जागरुकता बढ़ गई है। मेरे शो 'हुई गुम यादें' में मेरा किरदार डॉ. देव भी इसी पहलू को दर्शाता है, जहां उसकी जिंदगी के उतार-चढ़ाव उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं और वह इन भावनाओं से जूझते हुए खुद को संभालने की कोशिश करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक ही बात जो मेरे दिमाग में आती है कि वो ऊपर वाला है, जिसने पूरी कायनात बनाई है, जो चला रहा है उसके संपर्क में हमेशा रहिए। उसके संपर्क में रहने से जादुई असर होता है। जब हम ऊपर वाले को अपने साथ महसूस करते हैं तो कभी मन निराश, हताश नहीं होता। जिंदगी बहुत अच्छी गुजरती है। चूंकि हम सब वहीं से आए हैं और वहीं जाएंगे तो उसके टच में रहना सबसे अच्छा है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. सुषमा शर्मा
प्रोग्राम क्लिनिकल डायरेक्टर-न्यूरोलॉजी
मैरेंगो एशिया अस्पताल, फरीदाबाद

स्पेशलः वर्ल्ड पार्किंसंस-डे, 11 अप्रैल

पूरी दुनिया में लगभग एक करोड़ से अधिक लोग पार्किंसंस डिजीज से ग्रस्त हैं। यह ओल्ड एज में होने वाला एक सीरियस न्यूरोलॉजिकल रोग है। इसमें पेशेंट का मूवमेंट और बॉडी फंक्शनिंग प्रभावित होती है। लेकिन सही ट्रीटमेंट और सपोर्टिव डाइट हैबिट, लाइफस्टाइल से इसे मैनेज किया जा सकता है। इस बारे में जानिए।

बुजुर्गों को होने वाला सीरियस न्यूरोलॉजिकल डिजीज है पार्किंसंस

पार्किंसंस रोग एक न्यूरोलॉजिकल (नर्वस सिस्टम) डिजीज है। यह मस्तिष्क के उन हिस्सों को प्रभावित करता है, जो शारीरिक गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं।

क्या है पार्किंसंस रोग

इस रोग का कारण मस्तिष्क के एक खास हिस्से (सबस्टेंटिया निग्रा) में डोपामिन उत्पादक न्यूरॉन्स या सेल्स का धीरे-धीरे कमजोर या नष्ट हो जाना है। जो मुख्य रूप से डोपामिन नामक केमिकल का उत्पादन और स्राव करते हैं। जिसकी वजह से शरीर में डोपामिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर की कमी हो जाती है।

डोपामिन एक प्रकार का केमिकल है, जो दिमाग से पूरे शरीर और शरीर से दिमाग तक सिग्नल लेकर जाता है। शरीर के अन्य अंगों को कंट्रोल में रखता है और शरीर की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है। डोपामिन केमिकल का स्तर कम होने पर दिमाग के सिग्नल शरीर के विभिन्न हिस्सों तक नहीं पहुंच पाते और व्यक्ति पार्किंसन डिजीज की चपेट में आ जाता है।

पार्किंसंस, डिजनरेटिड प्रोग्रेसिव डिसऑर्डर के साथ कंट्रोल की जा सकने वाली बीमारी है। एक बार पार्किंसंस रोग होने पर समस्या लंबे समय तक परेशान कर सकती है या जिंदगी भर चलती है। शरीर के विभिन्न अंगों पर नियंत्रण कम होने लगता है। धीरे-धीरे उसकी गति, पॉश्चर और भाषा प्रभावित होने लगती है। जिससे मरीज को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी होने लगती है। ध्यान न दिए जाने पर पार्किंसंस, गंभीर रूप ले सकता है। लेकिन अगर इसका समुचित उपचार, स्वस्थ जीवनशैली और सही देखभाल शुरुआती अवस्था पर शुरू हो जाए, तो मरीज सामान्य जिंदगी जी सकता है।

क्या कहते हैं आंकड़े

डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनिया भर में पिछले 25 वर्ष में पार्किंसंस के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज द्वारा की गई स्टडी के हिसाब से 2019 तक तकरीबन 8.5 मिलियन से अधिक लोग पार्किंसंस रोग से प्रभावित थे। वर्तमान में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर तकरीबन 10 मिलियन (1 करोड़) से अधिक मरीज के होने तक पहुंच गया है। भारत में भी लगभग 5.76 लाख लोग पार्किंसंस बीमारी के साथ जी रहे हैं। 2050 तक पार्किंसंस के मरीजों की संख्या 25 मिलियन (2.5 करोड़) से अधिक होने की आशंका है।

बुजुर्ग होते हैं अधिक प्रभावित

पार्किंसंस डिजीज आमतौर पर 55-65 साल की उम्र के बीच शुरू होती है। लेकिन 10-15 प्रतिशत मामलों में यह 50 साल से पहले भी हो सकता है, जिसे यंग ऑनसेट पार्किंसंस डिजीज कहा जाता है। आंकड़ों के मुताबिक पुरुषों में यह बीमारी महिलाओं की तुलना में 1.5 गुना अधिक देखी जाती है। फैमिली हिस्ट्री के कारण 40 साल से कम उम्र के लोगों में भी पार्किंसंस डिजीज बढ़ने की आशंका रहती है। आनुवांशिक या जीन म्यूटेशंस के कारण कई बच्चों में भी देखी जाती है, जिसे जुबेनाइल पार्किंसंस डिजीज कहते हैं। सिर में चोट लगने, दिमाग में सूजन, ब्रेन हैमरेज, ब्लड क्लॉटिंग, ब्रेन ट्यूमर से नर्वस सिस्टम में हुई क्षति से भी एक्वायर पार्किंसन होने की संभावना रहती है। कई बार कुछ दवाइयों के साइड-इफेक्ट की वजह से भी मरीज में किसी भी उम्र में आ सकती है। विषाक्त पदार्थों, कीटनाशकों और रसायनों के संपर्क में आना पार्किंसंस के जोखिम को बढ़ाता है।

रोग के प्रमुख लक्षणः शुरुआती अवस्था में मरीज के हाथों में झनझनाहट होना, हाथ-पैरों में अनियंत्रित कंपकपी होना खासकर आराम करते हुए भी एक हाथ में कंपन होना, विभिन्न अंगों की मांसपेशियों में अकड़न आना और दर्द महसूस होना जिससे चलने-फिरने में दिक्कत आना, बैलेंस न बना पाने और गिरने का डर रहना, आवाज धीमी हो जाना, सुनने की शक्ति कम होना, कमर आगे की तरफ झुकना, स्लोनेस आना यानी काम करने और चाल में धीमापन आना, बच्चे जैसे छोटे कदम लेकर चलना। समुचित उपचार न मिलने पर मरीज की स्थिति गंभीर हो जाती है- मरीज के बोलने, लिखने की क्षमता में कमी आना, खाना खाने के लिए भी दूसरों पर निर्भर होना, मनोभ्रम रहना, तनाव, घबराहट रहने के कारण दिनचर्या के काम ठीक तरह न कर पाना। एंग्जाइटी या डिप्रेशन के भी शिकार हो सकते हैं।

कैसे होता है डायग्नोज

व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखें, तो यथाशीघ्र न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर को कंसल्ट करना चाहिए। पार्किंसंस की पुष्टि के लिए क्लीनिकल डायग्नोज किया जाता है। मरीज की केस हिस्ट्री, लक्षण, जांच से पता लगाया जाता है कि मरीज पार्किंसंस की किस अवस्था में है? बीमारी से उसकी दिनचर्या और गतिविधियां कितनी प्रभावित हैं? एमआरआई, सिटी स्कैन भी कराया जाता है।

उपचार के तरीके

मरीज की स्थिति के हिसाब से मेडिकल मैनेजमेंट यानी दवाइयों के जरिए बीमारी मैनेज की जाती है। कोशिश होती है कि मरीज स्वाबलंबी बने, अपने दैनिक कार्य करने योग्य हो और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हों। प्रारंभिक अवस्था में ब्रेन में डोपामाइन को बढ़ाने वाली और पार्किंसंस के लक्षणों को नियंत्रित करने वाली दवाइयां दी जाती हैं। मरीज की फिजियोथेरेपी भी कराई जाती है ताकि उसकी मांसपेशियों की ताकत, बैलेंस और कॉर्डिनेशन में सुधार हो। ऑक्यूपेशनल थेरेपी भी दी जाती है। 8-10 साल बाद दवाइयों का असर कम होने या पार्किंसंस की एडवांस स्टेज में न्यूरोसर्जिकल प्रक्रिया भी अपनाई जाती है। मरीज की स्थिति के आधार पर डीप ब्रेन स्टीमुलेशन नामक प्रक्रिया में मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड लगाए जाते हैं, जो पार्किंसंस के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

इन बातों का भी रखें ध्यान

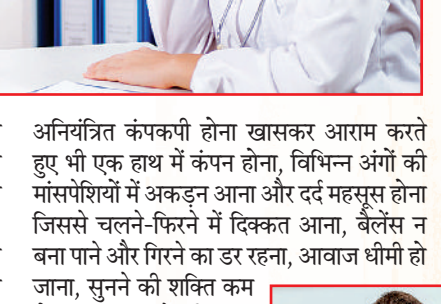

समुचित उपचार के साथ पार्किंसंस के मरीज को स्थिति से उबरने के लिए परिवार और नजदीकी लोगों के पूरे सपोर्ट और देखभाल की जरूरत होती है। जरूरी है कि न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा दी गई मेडिसिन को समय पर देनी चाहिए। मरीज के लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए और समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेते रहना चाहिए। सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। एक्सरसाइज पार्किंसंस में सबसे बेस्ट डिजीज मॉडीफाइंग ट्रीटमेंट मानी जाती है। नियमित व्यायाम, शारीरिक गतिविधियों, डांस, योग और स्ट्रेचिंग से लचीलापन और बैलेंस कायम करने में मदद मिलती है। मरीज को पोषक और संतुलित आहार देना चाहिए। यथासंभव वसायुक्त आहार कम, फाइबर से भरपूर आहार देना चाहिए। यह पाचन तंत्र को सही रखने और वजन नियंत्रित रखने में मददगार है। ताजे फल-सब्जियों को ज्यादा से ज्यादा आहार में शामिल करना चाहिए। स्वस्थ वसा (जैसे- ओमेगा-3 फैटी एसिड) और प्रोटीन से भरपूर आहार जैसे मछली, अंडे, दालें और नट्स भी फायदेमंद होते हैं। रोगी के हाइड्रेशन का ध्यान रखना चाहिए। पाचन संबंधी समस्याओं से बचने के लिए रोजाना 6-8 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। तनाव प्रबंधन के लिए मेडिटेशन, योग और अन्य तनाव प्रबंधन तकनीकों को अपनाना सहायक होता है।

डाइट सजेशन
राजकुमार 'दिनकर'

यह तो हम सभी जानते हैं कि ड्राई फ्रूट्स हेल्थ के लिए यूजफुल होते हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि इनको भोजन के ऑप्शन के तौर पर सेवन किया जाए। ड्राई फ्रूट्स का सेवन कब अधिक फायदेमंद होता है, आपको जरूर जानना चाहिए।

तभी होगा फायदेमंद ड्राई फ्रूट्स का सेवन

एक समय ऐसा था जब व्रत, त्योहार में ही लोग ड्राई फ्रूट्स खाया करते थे और इनके पोषण के स्तर को देखते हुए इन्हें ताकत से भरपूर माना जाता था। इसीलिए हमारे पारंपरिक भोजन में बादाम, अखरोट, खजूर, छुहारे, काजू, किशमिश, पिस्ता, अंजीर का भरपूर इस्तेमाल होता था। आजकल ड्राई फ्रूट्स का भोजन में काफी इस्तेमाल होने लगा है।

वेट लॉस में सहायक

आजकल ड्राई फ्रूट्स डाइट का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने और वजन घटाने के लिए भी किया जाता है। फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट से भरे ड्राई फ्रूट्स भूख को नियंत्रित तो करते ही हैं, हमारे मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ाते हैं। वजन घटाने में इनका काफी इस्तेमाल हो रहा है। इसलिए लोग बादाम, अखरोट और पिस्ते को फाइबर और प्रोटीन के लिए खाते हैं। इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ये मेवे हमारे मेटाबॉलिज्म को तीव्र करते हैं। खजूर, किशमिश और अंजीर प्राकृतिक रूप से काफी मीठे होते हैं, उनको खाने के बाद मीठा खाने की इच्छा कम हो जाती है। ये विटामिन और मिनरल का स्रोत हैं जो हमारे शरीर की कमजोरी को दूर करके उसे मजबूत बनाते हैं।

भोजन का विकल्प नहीं

जो लोग इसे खाने के तौर पर खाते हैं, तो उनके लिए यह सुझाव है कि इसको पूर्ण संतुलित आहार नहीं माना जा सकता। हालांकि ड्राई फ्रूट्स हमारी हृदय की सेहत के लिए अच्छे होने के साथ-साथ सुपाच्य भी होते हैं। इसके बावजूद इनमें उतने पोषक तत्व नहीं होते, जो हमारे भोजन में होते हैं। हां, इनका इस्तेमाल हम कंप्लीट मील के विकल्प के तौर पर कभी-कभी कर सकते हैं। ड्राई फ्रूट्स का अगर ज्यादा मात्रा में सेवन किया जाए तो शरीर में ज्यादा फाइबर और शुगर के कारण अपच या पेट में गैस हो सकती है। क्योंकि इनमें मौजूद वसा, प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स इन्हें पोषण से भरपूर बनाते हैं, लेकिन इनका कम मात्रा में सेवन करना चाहिए, क्योंकि इनमें कैलोरीज ज्यादा होती है। किसी भी कंडीशन में ड्राई फ्रूट्स को दिन में खाए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं माना जा सकता। दरअसल, भोजन हमारे शरीर में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा की आपूर्ति करते हैं और हमारे मेटाबॉलिज्म को स्थिर रखते हैं। ड्राई फ्रूट्स खाने भर से हमारे शरीर में इन तत्वों की आपूर्ति नहीं हो सकती। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि बादाम में मौजूद अनसैचुरेटेड फैटी एसिड और विटामिंस हमारे मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस घटाकर हमारी स्मरणशक्ति को बढ़ाते हैं। सीमित मात्रा में अगर ड्राई फ्रूट्स का सेवन किया जाए तो ये हमारे लिए फायदेमंद हैं। लेकिन चीनी से भरे ड्राई फ्रूट्स जैसे किशमिश और खजूर की मात्रा सीमित रखनी चाहिए। वैसे भी ये दोनों ड्राई फ्रूट्स नेचुरल शुगर का भंडार होते हैं। इनको खाने के बाद हमारे दांतों से ये चिपक जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया की वृद्धि होती है। इसलिए इनको लेने के बाद पानी, पीना चाहिए और दांतों को अच्छी तरह साफ रखना चाहिए।

कितनी मात्रा है सही

हमें प्रतिदिन लगभग 20 से 30 ग्राम मिक्स ड्राई फ्रूट्स का सेवन करना चाहिए। बच्चों को इससे कम मात्रा देनी चाहिए। वयस्कों के लिए पानी में भीगे 5 से 7 बादाम और 2 अखरोट के टुकड़े सुबह के समय लेने चाहिए, जो हमारे दिल और दिमाग की सेहत के लिए अच्छे होते हैं। महिलाओं को आयरन और कैल्शियम में लिए खजूर और अंजीर खाने चाहिए। स्टेमिना के लिए पुरुष पिस्ता और अखरोट ले सकते हैं। बादाम, अखरोट और अंजीर को अगर रात में पानी में भिगो दिया जाए तो ये सुपाच्य होते हैं और इनमें मौजूद पौष्टिकता भी बढ़ जाती है। ड्राई फ्रूट्स को सुबह खाली पेट या दोपहर के भोजन के बाद लेना चाहिए।

कैसे और किस समय खाएं ड्राई फ्रूट्स

- ड्राई फ्रूट्स की मात्रा पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। वयस्कों के लिए इनकी मात्रा 20 से 30 ग्राम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।
- बादाम, अखरोट और अंजीर को सुपाच्य बनाने के लिए पूरी रात पानी में भिगोकर रखना चाहिए।
- इसे सुबह के समय या दोपहर के भोजन के बाद लेना चाहिए। ध्यान रखें ड्राई फ्रूट्स मुख्य भोजन की जगह पर ऑप्शन के तौर पर नहीं लेने चाहिए।
- सूखे मेवों को योगर्ट, फ्रूट, सलाद, दालों के साथ लेना चाहिए ताकि शरीर में फाइबर और माइक्रो न्यूट्रिएंट्स का संतुलन बना रहे।
- तले, नमकीन या मीठे ड्राई फ्रूट्स लेने से बचें, क्योंकि इनमें शुगर और सोडियम का स्तर ज्यादा होता है।

अगर अधिक मात्रा में करें सेवन

- ड्राई फ्रूट्स में कैलोरी ज्यादा होती हैं। इससे वजन बढ़ता है और यदि इसकी मात्रा पर ध्यान न दिया जाए तो ब्लड शुगर भी बढ़ता है।
- इनके साथ प्रोटीन, कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट और पानी की जरूरत होती है, ताकि यह शरीर की मसल्स को रिपेयर कर सकें।
- इनकी ज्यादा मात्रा भोजन को असंतुलित बनाती है। इसलिए ड्राई फ्रूट्स के साथ मोटे अनाज, दालें और सब्जियां ही लेनी चाहिए, लेकिन सीमित मात्रा में।
- कई ड्राई फ्रूट्स में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 कम मात्रा में होता है। अगर इनकी ज्यादा मात्रा ली जाती है तो अपच और पेट में गैस जैसी समस्या हो सकती है।
- डायबिटीज, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, किडनी संबंधी गंभीर बीमारियां और पाचन संबंधी रोगों से ग्रस्त व्यक्ति या जिन्हें ड्राई फ्रूट्स से एलर्जी हो, ऐसे लोगों को ड्राई फ्रूट्स नहीं खाने चाहिए। *

अचीवमेंट
रेखा देशराज

कोई एक्सीडेंट हो जाए या गहरा घाव लग जाए या फिर सर्जरी करनी हो, ब्लड लॉस को रोकना सबसे जरूरी होता है। ऐसा न करने पर पेशेंट की डेथ भी हो सकती है। इसीलिए ब्लड क्लॉटिंग यानी हीमोस्टेसिस को बहुत इंपॉर्टेंट माना जाता है।

एक्सीडेंट-गहरे घाव में जरूरी ओवर ब्लीडिंग को रोकना

शरीर के भीतर नसों में ब्लड का लगातार फ्लो बहुत जरूरी है और उसकी क्लॉटिंग, स्ट्रोक का कारण बन सकता है, जो पेशेंट के लिए जानलेवा हो सकती है। लेकिन किसी एक्सीडेंट या गहरे घाव से अगर लगातार ब्लड बहने लगे और उसकी क्लॉटिंग न हो सके तो पेशेंट के जीवन पर संकट आ सकता है। इसीलिए बहते हुए खून को रोक पाने की तकनीक विकसित किए जाने को मेडिकल साइंस की एक ऐसी उपलब्धि माना गया, जिसने न सिर्फ इलाज की तकनीक बदली, बल्कि मानव सभ्यता की सर्जरी, युद्ध-चिकित्सा, प्रसव-चिकित्सा और आपातकालीन चिकित्सा, सबको नई दिशा दे दी। अगर इसकी महत्ता को जांचें तो यह एंटीबायोटिक की खोज और एनेस्थीसिया (बेहोशी की दवा) के साथ मेडिकल इतिहास की टॉप-3 गेमचेंजर उपलब्धियों में गिनी जा सकती है। वजह, अधिक खून बहने से मौत हजारों साल तक मानव मृत्यु का सबसे तेज और सबसे बड़ा कारण रहा।

ओवर ब्लीडिंग होती थी रिस्कीः आज हमें लगता है कि कट लग गया तो पट्टी/टांका/दवा हो जाएगी और ब्लड लॉस रुक जाएगा। लेकिन इतिहास में लंबे समय तक मामूली घाव भी घातक रक्तस्राव बन जाता था। सदियों तक प्रसव में रक्तस्राव महिलाओं की मौत का प्रमुख कारण था। युद्ध में घायल सैनिक ज्यादातर खून बह जाने के कारण मरते थे। क्योंकि खून रोकने की क्षमता कमजोर थी। खून रोक पाने का मतलब था, मौत के मुंह से मरीज को वापस लाना। क्योंकि ब्लीडिंग रुकते ही जटिल सर्जरी भी संभव होने लगी जबकि जब तक खून रोकने की विश्वसनीय तकनीक नहीं थी, तब तक पेट, छाती, हड्डी, नसों की सर्जरी बहुत जोखिम भरी हुआ करती थी।

बहुत लोग गंवा देते थे जानः प्राचीनकाल में युद्धों में 90 से 95 फीसदी तक मौतें युद्ध के मैदान में ही हो जाती थीं और उसका कारण यह होता था कि घायल होने के बाद उन सैनिकों का खून बहुत तेजी से बह जाता था। यूरोप में 15वीं, 16वीं शताब्दी में ज्यादातर सैनिक गहरे जख्म से ब्लड बहने से मारे जाते थे क्योंकि महज 3-4 घंटे में सारा ब्लड बह जाता था। आज घायल सैनिक 10-10 दिन तक जिंदगी और मौत से लड़ सकते हैं।

मिनटों में रुक जाती है ब्लीडिंगः सिर्फ युद्धों की बात नहीं है। आज भी दुनिया में सड़क दुर्घटनाओं में जितनी मौते होती हैं, उनमें से 50 फीसदी से ज्यादा के पीछे ज्यादा खून का बह जाना ही कारण होता है। चिकित्सा विज्ञान को 300 साल पहले ही यह पता चल गया था कि जीवन बचाने के लिए बहते खून को न सिर्फ रोकना बहुत जरूरी है बल्कि जितना जल्दी इसे रोका जाए, उतना अच्छा है। यदि खून को बहने से रोक लिया जाए तो जान बचने की संभावना 70 फीसदी हो जाती है। पिछले 200 सालों में खून बहने की 100 से ज्यादा तकनीकें विकसित की गई हैं। उन्हीं का नतीजा है कि आज महज 30 सेकेंड में यह कारनामा करके दिखाती है यानी बहते खून को एक बैंडेज तकनीक के जरिए महज आधे घंटे में रोका जा सकता है। इस तकनीक के अलावा भी दुनिया में आज बहते खून को रोक देने की चिकित्सा विज्ञान के पास दर्जनों कामयाब तकनीकें हैं, जिससे 5 से 15 मिनट में बड़ा से बड़ा रक्तस्राव रुक जाता है।

ऐसे काम करती है तकनीकः हालांकि चोट लगने पर या एक्सीडेंट होने पर ब्लड को रोकने के लिए कुछ सरल तकनीकें भी कारगर होती हैं। जैसे घाव के ऊपर प्रेशर देकर कॉटन, बेंडेज या साफ कपड़े की पट्टी बांधना। जिस हिस्से में चोट लगी हैं उस हिस्से को शरीर, खासतौर पर हार्ट की पोजिशन से ऊपर करने से। लेकिन अगर घाव गहरा होता है तो ऐसी ब्लड कोएगुलेशन वाली दवा लगानी होती है, जो नेचुरल ब्लड क्लॉटिंग को सहयोग करती है। *

खबर संक्षेप

स्वामी ज्ञानानंद महाराज का व्याख्यान आज

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'सक्षम युवा, समर्थ भारत : गीता का दिव्य मार्गदर्शन' विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 9 अप्रैल को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित जेसी बोस सेमिनार हॉल नं. 1 में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज युवाओं को श्रीमद्भागवत गीता के जीवनोपयोगी सिद्धांतों से अवगत कराते हुए उन्हें सकारात्मक, आत्मनिर्भर और राष्ट्रहित में समर्पित जीवन जीने की प्रेरणा देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई करेंगे।

यूपीएससी सम्मान समारोह 14 को

हिसार। जाट सेवक संघ की ओर से आयोजित किए जाने वाले भव्य यूपीएससी सम्मान समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। संघ के प्रवक्ता सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी ने बताया कि संघ की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक में समारोह बारे विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि यह समारोह 14 अप्रैल को साउथ बाइपास स्थित रत्न पैलेस में किया जाएगा। यह आयोजन संघ के स्थापना दिवस, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती तथा वैशाखी पर्व के पावन अवसर पर किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला होंगे जबकि विधायक सुनील सांगवान कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

यज्ञ भक्ति एवं श्रद्धा का प्रतीक : प्रमोद शास्त्री

हिसार। फतेहचन्द महिला महाविद्यालय की बीए एवं एमए संस्कृत की छात्राओं को ब्रह्मानन्द महाविद्यालय में आचार्य प्रमोद शास्त्री के सानिध्य मे यज्ञ प्रशिक्षण दिया गया। शास्त्री ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यज्ञ मनुष्य को ईश्वर के निकट ले जाता है, यज्ञ से मन शुद्ध और आत्मा का विकास होता है। यज्ञ भक्ति एवं श्रद्धा का प्रतीक है। शास्त्री ने बताया कि यज्ञ छात्राओं को त्याग, समर्पण और लोक कल्याण की भावना के लिए प्रेरित करता है। प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यज्ञ हमें स्वार्थ से ऊपर उठकर एकता और सहयोग की भावना बढ़ाकर दूसरों के लिए भी कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

दो मामलों में घोषित आरोपी गिरफ्तार

हांसी। पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में उद्घोषित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों की पहचान गांव खरक पुनिया व हाल बरवाला निवासी जयभगवान व मेरठ निवासी राजकुमार के रूप में हुई है। जांच अधिकारी मुख्य सिपाही वीरेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी जयभगवान के खिलाफ वर्ष 2020 में चोरी के मामले में थाना शहर हांसी में मामला दर्ज किया गया था। उधर, वहीं अनाज मंडी चौकी इंचार्ज एसआई अनिल कुमार की टीम ने चेक बाउंस मामले में मेरठ निवासी आरोपी राजकुमार को चेक बाउंस मामले में अदालत में पेशी के दौरान गैरहाजिर रहने के कारण उद्घोषित आरोपी घोषित किया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर काटे चालान

हिसार। स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नगर निगम प्रशासन की सख्ती जारी है। इसी कड़ी में एएसआई राहुल सैनी, एएसआई रोहित व एएसआई राहुल पंवार ने रायपुर रोड, टिब्बा दानाशेर और भारत नगर क्षेत्र में खुले में कचरा डालने चार दुकानदारों का चालान किया। एएसआई प्रवीन ने पीएलए मार्केट में एक दुकानदार द्वारा कचरे का सेग्रीगेशन करके नगर निगम के वाहन में न डालने पर दुकानदार का चालान किया। डीएन कॉलेज रोड पर दुकान में डस्टबिन न रखने पर सीटीएल प्रदीप जाखड़ व तकनीकी एक्सपर्ट जसबीर कुण्डू ने दो दुकानदारों के चालान किए।

हनुमान मंदिर नागोरी गेट में रामायण पाठ का छठा दिन

भ्राता राम की चरण पादुका लेकर अयोध्या लौटे भरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कुरुक्षेत्र सनातन धर्म हनुमान मंदिर, नागोरी गेट के प्रांगण में चल रहे नवाह्नपारायण रामायण पाठ के छटे दिन हनुमान मित्तल व उनके परिवारजनों द्वारा हनुमानजी की पूजा के साथ आरंभ हुई कथा में पं. गिरधर गोपाल आसोपा व पं. सुशील आसोपा जोधपुर वालों ने संगीतमय पाठ का उच्चारण किया। उन्होंने भरत और राम का मिलन, राम और लक्ष्मण का सभी माताओं से और अयोध्या वासियों से मिलन, पिता के परलोक जाने का दुख मनाना, भील वन वासियों द्वारा अयोध्या वासियों की सेवा, देवताओं का राम और भरत का प्रेम देखकर बैचेन होना, महाराजा जनक का चित्रकूट जाना और राम-सीता से मिलना, भरत द्वारा चरण पादुका गद्दी पर विराजमान करना आदि प्रसंग सुनाकर भक्तों को मंत्रमुगध कर दिया।

वक्ताओं ने अपनी शैली में पाठ करते हुए आगे राम, लक्ष्मण व सीता का चित्रकूट से प्रस्थान करना, अत्री ऋषि के आश्रम में जाना, माता अनुसूईया द्वारा सीता को उपदेश देना, रावण की बहन सरुपनखा की लक्ष्मण द्वारा नाक काटकर रावण को चुनौती देना के प्रसंग का बहुत ही मार्मिक ढंग से वर्णन किया।

हिसार। हनुमान मंदिर, नागोरी गेट में रामायण पाठ करते पं. गिरधर गोपाल आसोपा व पं. सुशील आसोपा। फोटो : हरिभूमि

गौसेवा करने का लिया संकल्प

हिसार। श्रीराधा माधव सेवा समिति की बैठक पी.पी. रहेजा, विनोद कालड़ा और सुमित जैन के सान्निध्य में आयोजित की गई। हरि नाम संकीर्तन के साथ शुरु हुई बैठक में उपस्थित सदस्यों ने आपसी विचार विमर्श के बाद संकल्प लिया गया कि भविष्य में हरि नाम संकीर्तन करने के साथ गौसेवा में बढ़ चढ़ कर भाग लेंगे। समिति सदस्य विजय महाजन व दीप दुआ ने भजनों की वर्षा की। बैठक में हरीश चुघ, अभय बजाज, कुशल महाजन, विशु भाटिया, नीरज कुकरेजा, सुधीर मदान, रवि शर्मा, राघव खुराना आदि उपस्थित रहे।

नगर परिषद पर राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर जमीन हड़पने का आरोप

- डीसी से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

रामनगर कॉलोनी निवासी सुनील कुमार जैन ने नगर परिषद पर बड़सी गेट क्षेत्र में एक सार्वजनिक कुएं की जमीन हड़पने और अपनी प्रॉपर्टी आईडी रिकार्ड को ठीक करवाने के लिए जमा की गई फाइल को जानबूझकर लटकाने का आरोप लगाया है।

जैन ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में नगर परिषद कर्मचारियों पर उनके साथ बदसलूकी का भी आरोप लगाया और बताया कि इस मामले को लेकर उपायुक्त को शिकायत दी गई है। सुनील कुमार जैन ने उपायुक्त को दी शिकायत में बताया कि खसरा नंबर 1068 और 1069 में दर्ज चाह (कुआं) की जमीन दशकों से आमजन के उपयोग में थी। आरोप है कि वर्ष 1962-63 से सार्वजनिक उपयोग में रही। जमीन को राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर निजी नामों पर दर्ज करवा लिया गया।

हांसी। पत्रकार वार्ता में अपने दस्तावेज दिखाते सुनील जैन। फोटो :हरिभूमि

राजस्व विभाग-नगर परिषद पर मिलीभगत का आरोप

शिकायतकर्ता जैन ने आरोप लगाया कि इस पूरी प्रक्रिया में राजस्व विभाग और नगर परिषद के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत रही है। उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्ति ने अपनी वास्तविक हिस्सेदारी से अधिक जमीन पर कब्जा कर लिया और उसके कुछ हिस्से को आगे बेच भी दिया। जैन ने अपनी 530 वर्ग गज की प्रॉपर्टी से जुड़ी फाइल को लेकर भी नगर परिषद पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्रॉपर्टी आईडी में सुधार के लिए दी गई उनकी फाइल को बार-बार अलग-अलग आपत्तियां लगाकर लंबित रखा जा रहा है। इसमें एरिया मिलान, हियरिंग और फोटो मैच जैसी आपत्तियां शामिल हैं। जैन ने आरोप लगाया कि नगर परिषद अधिकारी व कर्मचारी द्वारा न केवल फाइल को जानबूझकर रोका जा रहा है, बल्कि उनके साथ नगर परिषद कार्यालय में दुर्व्यवहार भी किया गया। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि जमीन विवाद से जुड़े प्रभावशाली लोगों के दबाव के कारण उनकी फाइल को मंजूरी नहीं दी जा रही है।सुनील जैन ने प्रशासन से दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सार्वजनिक कुएं की जमीन को पुनः बहाल करने की मांग की है।

पुलिस पर फायरिंग का आरोपी रिमांड पर लिया

हांसी। सोरखी पुलिस चौकी में तैनात उप निरीक्षक प्रवीण कुमार की टीम पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने वाले आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर कार्रवाई की। उप निरीक्षक ने बताया कि हांसी में एक दुकान से फिरौती मांगने के मामले में आरोपी बिहार के सिवान जिला के गांव सुगरी व हाल विकास नगर कॉलोनी निवासी अनुराग को गिरफ्तार किया था और फिरौती मांगते वक्त आरोपी ने जिस अवैध पिस्तौल का इस्तेमाल किया था उसकी बरामदगी के लिए पुलिस उसे एनएच-9 स्थित सुंदर नहर पुल के पास लेकर गई थी। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस दल पर फायर कर दिया, जिसके संबंध में थाना बास में 28 फरवरी को मामला दर्ज दर्ज किया था।

लीलाधर जिला अध्यक्ष व विकास बने सचिव

- अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की जिला कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से हुआ गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भारतीय मजदूर संघ से संबंधित अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा का जिले का अधिवेशन स्थानीय जाट धर्मशाला में जिलाध्यक्ष रामकेश श्योराण की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में मंच संचालन जिला सचिव पवन गुदंली ने किया। अधिवेशन में जिला सचिव पवन गुदंली व जिला कोषाध्यक्ष अमित ने अपने पिछले दो साल के कार्यकाल की रिपोर्ट सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं के समक्ष रखी। वहीं जिलाध्यक्ष रामकेश श्योराण ने अपने कार्यकाल के दौरान करवाए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए पुरानी कार्यकारिणी को भंग किया।

अधिवेशन में संगठन की नई जिला कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इसमें लीलाधर(सुमित शर्मा) को जिलाध्यक्ष, रामकुमार झाझडिया कार्यकारी अध्यक्ष, अमित कदावला व सुशील चाहार उपाध्यक्ष, विकास बैनिवाल सचिव, प्रदीप पान्नू सह सचिव, पवन गुंदली कोषाध्यक्ष, वीरेंद्र सिंधु सह कोषाध्यक्ष, रामकेश श्योराण संगठनकर्ता, मुकेश तंवर कार्यालय सचिव, राजकुमार शर्मा प्रेस सचिव, विजयपाल शर्मा सलाहकार तथा विपिन अत्री, अजय, दिनेश व अजीत पूनिया कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

हिसार। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

अधिवेशन में प्रदेश कार्यकारिणी की तरफ से कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष शर्मा, प्रदेश महासचिव जीवन ठाकुर, प्रदेश कोषाध्यक्ष ओमवीर यादव, प्रदेश सचिव राजेश, प्रदेश प्रेस सचिव रवि श्रीवास्तव, कार्यालय सचिव लोकेश भ्याण, कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र श्योराण व अमरजीत सहारण और सर्विस एक्ट कर्मचारी संघ के प्रदेश सह संयोजक विकास बैनीवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के प्रभारी सुनील ढिल्लो व प्रांत मंत्री देवीलाल गुराणा पहुंचे।

न्यूज डायरी

अधिकारियों ने अवैध निर्माण पर चलाया पीला पंजा

हांसी। प्रशासन ने शहर के साथ लगते एनएच-9 बाइपास के पास गोकुल धाम के नजदीक रिछपुरा रोड क्षेत्र में बुलडोजर चलाकर करीब एक एकड़ में फैले कच्चे रास्तों को ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट आशीष कुंडू की निगरानी में की गई। मौके पर डीटीपी दिनेश सिंह, फील्ड इंस्पेक्टर सपना, जूनियर इंजीनियर सचिन और एन्फोर्समेंट पुलिस की टीम मौजूद थी।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान एनएच-9 बाइपास के आसपास सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनाए गए रास्तों और कब्जों को हटाने के लिए चलाया गया। किसी भी संभावित विरोध से निपटने के लिए मौके पर पुलिस बल भी तैनात किया गया था। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

9 से 23 तक चलेगा पोषण जागरूकता अभियान

हिसार। उपायुक्त महेंद्र पाल ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। यह इस अभियान का आठवां संस्करण है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के अभियान का थीम जीवन के पहले 6 वर्षों में बच्चों के मानसिक विकास को प्राथमिकता देना है। उपायुक्त ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य परिवारों और समाज को ऐसी आदतों और व्यवहारों के प्रति जागरूक करना है, जो शिशुओं के समग्र विकास, विशेषकर मस्तिष्क के बेहतर पोषण में सहायक हों। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि इस दौरान अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि अभियान का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंच सके।

शहीद मंगल पांडे का शहीदी दिवस मनाया

हांसी। शहीद भगत सिंह संगठन समिति द्वारा बुधवार को बजरंग आश्रम के प्रांगण में शहीद मंगल पांडे का 169वां शहीदी दिवस श्रद्धाभाव व उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में भाई जी होटल के संचालक नरेन्द्र भ्याणा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। सभी सदस्यों ने शहीद मंगल पांडे की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर किशोरी नागपाल, सन्नी नायक, सुभाष महता, कर्मवीर पुट्ठी, राजू बतरा, कर्मवीर शास्त्री, रामसरूप खट्टर, राजकुमार, विजयपाल शास्त्री, हंसराज खेत्रपाल, डॉ. मुन्ना अरोड़ा, मा. मंगलु, राजबीर बामल, हमेश खुराना, सुरेन्द्र वधवा, विरेन्द्र तनेजा, जगन्नाथ चोपडा, ऋषि, संजय मुंजाल आदि उपस्थित थे।

दांतों की सफाई के लिए किया जागरूक

हिसार। मंगाली आकलान स्थित सुदेश आंगनवाड़ी सेंटर में दंत चिकित्सक डॉ. चारू गुप्ता ने सीएचसी मंगाली में बच्चों व उनके अभिभावकों के दांतों की जांच की और उन्हें दांतों से सम्बन्धित बीमारियों व उनके बचाव के बारे में बताया। कैंप में उपस्थित गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था में तथा डिलीवरी उपरान्त भी दांतों की सफाई करने की सलाह दी। कैंप में ब्रुरश करने का सही तरीका भी बताया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम टी-29 सीएचसी मंगाली की टीम ने बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की। टीम में डॉ. संदीप, डॉ. अन्तिमा, संतोष एएनएम के आलवा आंगनवाड़ी वर्कर सुदेश, हेल्पर सुनील व सोमवीर मौजूद थे।

गांव बालक में लगा स्कूल रेडीनेस मेला

बरवाला। गांव बालक में प्ले स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र द्वारा रेडीनेस मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी सविता जिंदल ने रिबन काटकर स्कूल रेडीनेस मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान 3-5 वर्ष के सभी बच्चों को प्ले स्कूल व नजदीकी आंगनवाड़ी में दाखिला दिलाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्ले स्कूल जिला समन्वयक संजय कुमार, सुपरवाइजर प्रगति काजल, प्ले स्कूल वर्कर सुदेश गुणपाल, आंगनवाड़ी वर्कर्स सुनीता, माया देवी, सरोज, कमलेश, इंद्रा देवी, लक्ष्मी, सरोज बाला, पूनम, मधु बाला, मीनाक्षी, मोनिका, बबीता, सुनीता, मायापति, बच्चे व माताएं उपस्थित रहीं ।

नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

हिसार। पुलिस की नशा मुक्ति टीम द्वारा नशे के खिलाफ एक सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत टीम ने जिला के गांव तलवंडी रूका व तलवंडी बादशाहपुर में ग्रामीणों को नशे की बुराइयों के प्रति जागरूक किया और समाज को नशा मुक्त बनाने का आह्वान किया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार अभियान के दौरान पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए दो नशा पीड़ितों का डोजियर फॉर्म भरा। नशे की लत से जूझ रहे तीन युवाओं को पहली बार दवा दिलवाई गई। इसके अतिरिक्त, गंभीर स्थिति को देखते हुए एक पीड़ित को नागरिक अस्पताल हिसार और एक पीड़ित को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए दाखिल करवाया गया। अभियान के दौरान नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और आर्थिक दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई।

उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन धूरी ब्रांच ने किया प्रदर्शन

बरवाला। उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन धूरी ब्रांच द्वारा केंद्रीय नेतृत्व के आदेशानुसार सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ शाखा स्तर पर पांच दिवसीय विरोध रोष सप्ताह मनाया जा रहा है। यूनियन द्वारा बुधवार को बरवाला रेलवे स्टेशन के प्रांगण में गेट मीटिंग कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। जिसकी अध्यक्षता बूटा सिंह मंडल संगठन सचिव और राम नरेश शाखा संगठन सचिव तथा हैप्पी सहायक सचिव ने की। मंडल संगठन सचिव बूटा सिंह और प्रवीन पूनिया द्वारा सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। इस अवसर पर कर्मचारी सुयश, सोनू, विनोद, पवन, संदीप, अभिमन्यु, संदीप व सुल्तान खान आदि मौजूद रहे।

नशीले पदार्थों पर रोक को दिए सख्त निर्देश

हांसी। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बुधवार को जिला के सभी चौकी इंचार्जों की एक महत्वपूर्ण क्राइम मीटिंग आयोजित की। मीटिंग के दौरान एसपी ने सभी को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क व सक्रिय रहकर अपराध पर कड़ी नजर रखें और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि पर प्रभावी कार्रवाई करें। उन्होंने विशेष रूप से नशे के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि नशा तस्करों व असामाजिक तत्वों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। साथ ही क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने, संदिग्धों पर निगरानी रखने तथा आमजन में सुरक्षा का भरोसा मजबूत करने पर जोर दिया।

सूचना

मैं, वीरमती पत्नी ओम प्रकाश निवासी वार्ड नम्बर 11 नारनौंद तहसील नारनौंद जिला हिसार राज्य हरियाणा बयान करती हूं कि मेरे बैंक अकाउंट में मेरा नाम गलती से बीरमति (Birmati) दर्ज किया गया है लेकिन मेरे अन्य दस्तावेजो आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र व पैन कार्ड आदि में मेरा नाम वीरमती (Virmati) जो कि सही है। मेरा नाम बीरमती (Birmati) के स्थान पर वीरमती (Virmati) ही सही समझा जावें। जो कि मेरे सभी दस्तावेजों के अनुसार सही है।

सूचना

हम, जयसिंह पुत्र श्री मंगत राम व संतोष पत्नी श्री जयसिंह निवासीगण वार्ड नं. 01, सिवानी तह. सिवानी, जिला भिवानी बयान करते हैं कि हमारी पुत्री सुनीता हमारे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये हम इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। हमारी व हमारे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जलभराव से निपटने को एडीसी ने किया निरीक्षण

- अधिकारियों को दिए व्यवस्था सुचारू करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

एडीसी लक्षित सरीन ने बुधवार को शहर में संभावित जल भराव की स्थिति को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एसडी कॉलेज, समाधा रोड, तिकोना पार्क सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए समय रहते ठोस कार्य योजना तैयार कर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

एडीसी ने कहा कि बारिश के दौरान जल भराव की समस्या से नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जल निकासी के लिए प्रभावी एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करने हेतु जल्द ही विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी।

हांसी। अधिकारियों के साथ शहर के जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करते एडीसी लक्षित सरीन।

निबंध लेखन में अन्नु रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

राजकीय महाविद्यालय खेड़ी चौपटा के प्राचार्य अनिल कुमार के निर्देशन में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग, हिंदी विभाग एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

खेलों का मानव जीवन में महत्व इस निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय रहा।

शारीरिक शिक्षा विभाग प्राध्यापक रोहित ने बताया कि प्रतियोगिता में प्राध्यापक मुथरा और सुभाष ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा अन्नु ने पहला स्थान प्राप्त किया, बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रीति ने दूसरा व द्वितीय वर्ष की छात्रा ज्योति ने तीसरा स्थान प्राप्त प्राप्त किया। सभी विजेता छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष धर्म सिंह, रोहित एवं विद्यावती विशेष रूप से मौजूद थे।

हिसार। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा करते पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता।

गांव चलो-बस्ती चलो अभियान से संगठन होगा मजबूत

हिसार। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठन को संगठनात्मक रूप से सुदृढ़ करने तथा पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान गांव चलो-बस्ती चलो के अंतर्गत सेक्टर-14 स्थित जगन्नाथ शक्ति केंद्र में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने की। कार्यक्रम का संयोजन शक्ति केंद्र प्रमुख बलबीर भूम्बक द्वारा किया गया। पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि यह अभियान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का माध्यम है। कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं और जब कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता से संवाद करते हैं, तो पार्टी की नीतियों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर सुरेश गोयल धूप वाला, रामचंद्र गुप्ता, दीपक अग्रवाल, कृष्ण बिश्नोई, रंजीव राजपाल, धर्मवीर पानू, बलबीर भूम्बक, पारुल आहूजा, धर्मसिंह खटकड़, मुकेश बंसल, सज्जन मित्तल, प्रवीण नारंग, महेश कुमार व शुभम जैन उपस्थित रहें।

भाजपा मनाएगी संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर की जयंती : अनूप

- 14 से 20 अप्रैल तक बूथ स्तर तक किए जाएंगे कार्यक्रम, हर वर्ग को जोड़ा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री अनूप धानक ने कहा है कि पार्टी की ओर से 14 अप्रैल को भाजपा की ओर से संविधान निर्माता डॉ. भीमराम अंबेडकर के जन्मदिन के उपलक्ष्य अनेक कार्यक्रम किए जाएंगे। उन्होंने कहा डॉ. भीमराम अंबेडकर ने हर समाज के लिए कार्य किया है, इसलिए वे सबके आदरणीय हैं।

जयंती के उपलक्ष्य में 14 से 20 अप्रैल तक बूथ स्तर तक कार्यक्रम होंगे। अनूप धानक भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान डॉ. भीमराम अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दे रहे थे। उन्होंने बताया कि भाजपा डॉ. भीमराम अंबेडकर किसी एक समाज के नहीं बल्कि हर समाज के लिए कुछ न कुछ किया है।

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते अनूप धानक, डॉ. आशा खेदड़ एवं अन्य।

ये नेता और पदाधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, जन्म जयंती के जिला संयोजक राजकुमार इंदौरा, सह संयोजक बहादुर सिंह नंगथला, सियाराम रावतखेड़ा, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, जिला उपाध्यक्ष मुनीश ऐलावादी, कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल व कार्यालय प्रमुख सुरेन्द्र सैनी सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रथम चरण में एक से 31 मई तक होगी घरों की गणना

जनगणना 2027 : 16 से आमजन करेंगे स्वगणना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जनगणना 2027 के कार्यक्रम के अनुसार 16 से 30 अप्रैल तक आमजन स्वगणना कर सकेंगे। वे पोर्टल व अन्य उपलब्ध माध्यमों के जरिए अपना डेटा खुद ही फीड कर पाएंगे। इससे जनगणना के कार्य में सहूलियत होगी और प्रमाणित आंकड़ों के संकलन में भी मदद मिलेगी। इसके पश्चात एक से 31 मई तक ड्यूटी में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जनगणना के प्रथम चरण में घरों की गिनती की जाएगी।

जनगणना 2027 के सफल एवं सुचारू संचालन को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के तहत आयोजित की गई राज्य स्तरीय बैठक के दौरान यह जानकारी दी गई। बैठक में नगराधीश हरिराम द्वारा जिले में अभी तक किए गए प्रबंधों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अवगत करवाया गया कि जनगणना का द्वितीय चरण 9 फरवरी 2027 से एक मार्च 2027 तक पूर्ण किया जाएगा। बैठक में जनगणना से संबंधित पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए नगराधीश ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। उन्होंने बताया कि सभी सरकारी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तथा शहरी स्थानीय निकाय व पंचायत विभाग द्वारा आमजन को स्वगणना के लिए प्रोत्साहित व जागरूक करेंगे।

हिसार। वीसी के दौरान उपस्थित नगराधीश हरिराम व अन्य अधिकारीगण।

16 साल बाद होने जा रही है जनगणना

नारनौंद। हरियाणा में 2027 में होने वाली जनगणना के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। पूरी तरह से डिजिटल जनगणना के लिए 6 अप्रैल से जनगणना कर्मचारियों और फील्ड ट्रेनरों का विशेष प्रशिक्षण शुरू हो गया था जोकि बुधवार को समाप्त हो गया। नारनौंद मॉडल स्कूल और कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तीन दिवसीय ट्रेनिंग ख़त्म हो गई है, जिसमें उन्हें मोबाइल ऐप और ऑनलाइन पोर्टल के जरिए डेटा संग्रह करने की तकनीक सिखाई गई । सेन्सस ट्रेनर घीसाराम ने बताया कि 16 साल बाद देश में जनगणना का काम एक नए और डिजिटल स्वरूप में शुरू होने जा रहा है, जो कई मायनों में अलग और आधुनिक होगी। पहली बार पूरी प्रक्रिया मोबाइल ऐप और ऑनलाइन पोर्टल के जरिए होगी।

खबर संक्षेप

श्री श्याम संग परिवार का जागरण व भंडारा 12 को

हिसार। श्री श्याम संग परिवार के पदाधिकारियों की मीटिंग अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में 12 अप्रैल को होने वाले श्याम जागरण व भंडारे की तैयारियों पर विचार किया गया। गर्ग ने निमंत्रण पत्र जारी करने के उपरांत कहा कि श्री श्याम संग परिवार 12 अप्रैल को विशाल श्री श्याम जी का जागरण करेगा। कार्यक्रम में छप्पन भोग, सवामणि, करमावाई का खिचड़ा, कंदमूल फल भोग, पंचमेवा भोग के साथ भंडारा लगाया जाएगा। जागरण में भजन सम्राट संजय मित्तल कलकता, श्याम सखी गौरी साक्षी वृन्दांवन, ट्विंकल शर्मा, कृष्ण गाबा आदि कलाकार भाग लेंगे।

दिव्यांग केंद्र में मुफ्त नेत्र ऑपरेशन शिविर कल

हिसार। स्वास्थ्य सेवाओं के पोषक दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में 10 अप्रैल को निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर लगेगा। शिविर में आंखों के सफेद मोतियाबिंद से पीड़ित बुजुर्गों का ऑपरेशन किया जाएगा। भाविप हरियाणा भारत विकास फाउंडेशन दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष डॉ. रोशनलाल गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष सीए रामनिवास अग्रवाल व सचिव मांगेराम गुप्ता ने बताया कि इस दौरान ऑपरेशन से पूर्व आंखों की जांच भी की जाएगी और यथासंभव दवाइयां भी फ्री उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके साथ ही दिव्यांग केंद्र में निर्मित कृत्रिम अंग भी दिव्यांगजनों को निशुल्क वितरित किए जाएंगे। दिव्यांग केंद्र में चल रहा सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त लोगों के लिए फ्री शिविर भी इस दौरान जारी रहेगा।

सरकारी विद्यालयों को फ्री उपलब्ध करवाया फर्नीचर

हिसार। बिमल सरोज चैरिटेबल सोसायटी ने सरकारी विद्यालयों को निशुल्क फर्नीचर उपलब्ध करवाकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। बिमल सरोज चैरिटेबल सोसायटी ने जैन महावीर चैरिटेबल फ्री स्टडी सेंटर के माध्यम से चमारखेड़ा व उकलाना मंडी के सरकारी विद्यालय में पुस्तकालय के लिए विभिन्न संसाधन पहुंचाए हैं। चमारखेड़ा के कैप्टन अनिल धायल पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को 6 स्टडी टेबल, 50 कुर्सियां व 5 अलमारियां उपलब्ध करवाई गई हैं। इसी भांति उकलाना मंडी के गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल को भी सेवार्थ भाव से स्टडी टेबल, कुर्सियां व अलमारियां दी गई हैं। सोसायटी के प्रतिनिधि गुणसागर जैन व होशियार सिंह ने करीब एक लाख चालीस हजार रुपये का बहुउपयोगी सामान चमारखेड़ा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज छाबड़ा को सौंपा।

बैसाखी पर सांस्कृतिक कार्यक्रम 14 को

हिसार। हरियाणवी संस्कृति बचाओ मंच की ओर से 14 अप्रैल को बैसाखी और हिंदू नव वर्ष के अवसर पर मटका चौक के पास जाट धर्मशाला में सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर नलवा हलका से विधायक रणधीर पनिहार, पार्षद संजय डालमिया, भाजपा युवा नेता रामचन्द्र गंगवा मुख्य अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर गुरुकुल आफ पोलिटिक्स से धर्मेन्द्र कंवारी, रागिनी गायक आजाद सिंह खांडा खेड़ी, राजेश खन्ना, राष्ट्रीय सैनी सभा जिलाध्यक्ष अजय सैनी, रविन्द्र सिंह एलआईसी शामिल होंगे। आयोजन में हरियाणवी वेशभूषा में नृत्य, लोक गीत और रागिनी की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण होंगी।

150 में से लगभग आधे कर्मी हड़ताल पर जाने से सेवाओं पर पड़ा आंशिक असर

फायर कर्मियों ने ड्यूटी छोड़ की हड़ताल

हरियाणा अग्निशमन कर्मचारी विभाग के बैनर तले की जा रही हड़ताल, व्यवस्था संभालने के लिए रोडवेज व होम गार्ड से बुलाए कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार में हड़ताल के दौरान फायर कार्यालय के समक्ष बैठे कर्मचारी व हांसी में जिला उपायुक्त राहुल नरवाल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते संघ कर्मचारी।

अपनी विभिन्न मांगों व समस्याओं के समाधान की मांग पर अग्निशमन कर्मचारियों ने मंगलवार से दो दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के चलते शहर में सैकड़ों फायर कर्मचारी काम छोड़कर धरने पर बैठ गए। हरियाणा अग्निशमन कर्मचारी विभाग के बैनर तले की जा रही इस हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। उधर, फायर कर्मचारियों की हड़ताल को देखते हुए रोडवेज विभाग से लगभग 40 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में फायर सेवाएं प्रभावित न हों। इसके अलावा होमगार्ड के जवानों की भी स्पेशल ड्यूटी लगाई गई है। करीब 150 कर्मचारियों में से आधे दमकल कर्मियों के हड़ताल में शामिल नहीं होने से फायर सेवाओं पर आंशिक असर पड़ा।

दमकल केंद्र परिसर में धरने पर बैठे कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के उपप्रधान जसबीर श्योकंद ने बताया कि फरीदाबाद में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए दो फायर कर्मचारियों के परिजनों को उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। जसबीर शयोकंद ने कहा कि इस संबंध में सरकार के साथ दो दौर की बातचीत भी हो चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। जसबीर शयोकंद ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे।

जसबीर श्योकंद ने कहा कि यह आंदोलन कर्मचारियों के अधिकारों और उनके सम्मान से जुड़ा हुआ है। वहीं, दमकल विभाग के अधिकारी साहिल ने बताया कि हिसार में कुल करीब 150 कर्मचारियों में से लगभग आधे कर्मचारी हड़ताल पर हैं।

दमकल कर्मचारियों की दो दिन की राज्यस्तरीय हड़ताल के समर्थन में डीसी को ज्ञापन सौंपा

हांसी। अग्निशमन कर्मचारियों की राज्य स्तरीय दो दिवसीय हड़ताल को लेकर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने बुधवार को राज्य कैशियर सुरेंद्र यादव व राज्य कमेटी मेंबर गंगाराम मोण के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर कर्मचारी नेताओं ने कहा कि हरियाणा सरकार को पहले से अग्निशमन संघ के कर्मचारियों ने हड़ताल बाबत सूचित कर दिया था उन्होंने कहा फरीदाबाद के मुजस्सर में आगजनी पर काबू पाने के दौरान दो कर्मचारी शहीद हो गए थे लेकिन हरियाणा सरकार दोनों के परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की बजाए संवेदनहीन व मूकदर्शक बनी हुई है और कर्मचारियों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट तक नहीं की। जबकि कर्मचारी इन मृतक कर्मचारियों के लिए केवल सरकार से मुआवजा राशि, शहीद का दर्जा, मृतक के आश्रितों को नौकरी की मांग कर रहे हैं जिसे देने में सरकार आनाकानी कर रही है। और दमकल कर्मियों को मजबूरन हड़ताल पर जाना पड़ा। इस अवसर पर राजेश शर्मा, अशोक यादव, राजेंद्र कुलाना,अवनीश कुमार, मनजीत जांगड़ा आदि सहित कई अन्य मौजूद थे।

फुटबॉल मैच में एचवाईसी जाट कॉलेज की टीम ने मॉडर्न डिफेंस स्कूल के खिलाड़ियों को 2-0 से हराया

■ सिटी फुटबॉल लीग में देखने को मिले रोचक मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। सिटी फुटबॉल लीग टीम के खिलाड़ी।

हरियाणा यंग क्लब एवं एकेडमी ऑफ ऑल स्पोर्ट्स सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में चल रही सिटी फुटबॉल लीग के पहले में मैच में एचवाईसी जाट कॉलेज टीम ने मॉडर्न डिफेंस स्कूल हिसार की टीम को 2-0 से हराया। प्रवक्ता प्रवीण राजोरिया ने बताया कि लीग के अंडर-14 दूसरे मैच में मॉडर्न स्कूल ने आर्मी स्कूल की टीम को 1-0 तथा तीसरे मैच में एचवाईसी जाट कॉलेज की टीम ने आर्मी स्कूल टीम को 3-1 से हराकर बेहतरीन खेल का परिचय दिया। इस अवसर पर कोच नवीन ने फुटबॉल के भीष्म पितामह मदन सिंह राठौड़, डॉ. राकेश शर्मा, परिक्षित श्योकंद, सुरेश, परमवीर, सतीश, विक्रम श्योराण, संजीव, तमन, लाकेश शर्मा का स्वागत किया। मैच में मदन सिंह राठौड़ ने सभी खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए उन्हें फुटबॉल के कई गुर सिखाए।

ओएसजीयू में दो दिवसीय मेगा जॉब फेयर 10 से

हिसार। प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें बेहतरीन करियर विकल्प प्रदान करने के उद्देश्य से ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय (ओएसजीयू) में 2 दिवसीय 'पुल कैंपस' (मेगा जॉब फेयर) का आयोजन किया जाएगा। यह जॉब फेयर 10 व 11 अप्रैल को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने बताया कि संस्थान पिछले कई वर्षों से लगातार इस तरह के जॉब फेयर का सफल आयोजन करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार के जॉब फेयर में देश कि 60 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां और विभिन्न इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि पहुंचेंगे, जो युवाओं की योग्यता के अनुसार उन्हें नौकरी के अवसर प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी. कौशिक और प्रतिकुलपति डॉ. राजेंद्र सिंह छिल्लर ने बताया कि इस जॉब फेयर का दायरा काफी बड़ा रखा गया है। इसमें हरियाणा के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय से पास-आउट व फाइनल ईयर से छात्र इसमें भाग ले सकते हैं। इसी के साथ ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सेज के फाइनल ईयर एवं पास आउट हुए विद्यार्थी आवेदन कर सकते है। चयन पूरी तरह से युवाओं के ज्ञान, कौशल और साक्षात्कार पर आधारित होगा।

बर्बाद फसल का 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दे सरकार: चंद्रप्रकाश

हिसार। चौधरीवाली में फसलों का जायजा लेते विधायक चंद्रप्रकाश।

■ विधायक चंद्रप्रकाश ने ओलावृष्टि से प्रभावित गांवों और आदमपुर अनाज मंडी और बालसमंद मंडी का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

विधायक चंद्रप्रकाश ने ओलावृष्टि से बर्बाद हुई फसलों पर चिंता जताते हुए आदमपुर हलके के गावों का दौरा करके किसानों व ग्रामवासियों से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने आदमपुर की अनाज मंडी व बालसमंद की मंडी का दौरा करके फसल खरीद व्यवस्था का जायजा भी लिया। चंद्रप्रकाश ने कार्यकर्ताओं के साथ बालसमंद, चौधरीवाली, तेलनवाली, डोभी व गावड़ में पहुंचकर बर्बाद हुई फसलों से परेशान किसानों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि आदमपुर हलके के बहुत से गांवों में ओलावृष्टि से हजारों एकड़ में सरसों, गेहूं व चने सहित अन्य तैयार फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। इसलिए किसानों की समस्या को समझते हुए सरकार को तुरंत गिरदावरी करवाकर किसानों को प्रति एकड़ 50 हजार रुपये मुआवजा जारी करना चाहिए।

विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि सरकार के उदासीन रवैये के कारण किसान विकट स्थिति झेल रहे हैं। उनके लिए खेती करना भी मुश्किल हो गया है। इसलिए ओलावृष्टि से प्रभावित खेतों की तुरंत गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा प्रदान करना चाहिए। विधायक ने आदमपुर की अनाज मंडी का दौरा करके किसानों से मुलाकात करके उनकी समस्याओं पर संज्ञान लिया। उन्होंने कहा कि सरसों व गेहूं की फसलों की आवक को देखते हुए उनकी खरीद व फसल उठान के पर्याप्त प्रबंध होने चाहिए। चंद्रप्रकाश ने बालसमंद की मंडी का दौरा करके फसल खरीद व व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को फसल खरीद संबंधी समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

फॉर्च्यूनर में हो रही थी 94 पेटी अवैध शराब की तस्करी; आरोपी गिरफ्तार

■ अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। पकड़ी गई अवैध शराब व गाड़ी सहित आरोपी। फोटो : हरिभूमि

अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए सफेद रंग की फॉर्च्यूनर गाड़ी से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब कब्जे में लेकर आरोपी भिवानी जिले के किरावड़ गांव निवासी नरेन्द्र उर्फ गोल्डी को गिरफ्तार कर लिया है।

जांच अधिकारी एएसआई रविंद्र व उनकी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि नरेन्द्र नामक व्यक्ति अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी में शराब भरकर सातरोड की तरफ जा रहा है। सूचना के आधार पर साउथ बाईपास पर नाका लगाया गया। आधार अस्पताल की तरफ से आती हुई फॉर्च्यूनर को जब रुकने का इशारा किया गया, तो चालक ने भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने प्राइवेट गाड़ी से पीछा कर फॉर्च्यूनर के आगे अपनी गाड़ी लगाकर उसे रतन पैलेस के पास रुकवाया और चालक को काबू किया। गाड़ी की तलाशी लेने पर भारी मात्रा में शराब बरामद हुई। जब आरोपी से लाइसेंस या परमिट मांगा गया, तो वह कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस ने गाड़ी में से मस्ती माल्टा मार्का 94 पेटी कुल 1128 बोतल अवैध शराब बरामद की। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है कि यह शराब कहां सप्लाई की जानी थी और इस तस्करी के पीछे और कौन से मुख्य चेहरे शामिल हैं। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ढंडूर व पीरांवाली में चलाया विशेष अभियान

हिसार। नशे के विरुद्ध अभियान के तहत जिलेभर में नशा तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी है। इसी क्रम में थाना सदर के क्षेत्र गांव ढंडूर व पीरांवाली में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना तथा संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना रहा। अभियान के तहत एक घर से 15 बोतल कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब बरामद करके मकान मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पकड़े गए युवक की पहचान पीरांवाली निवासी गोपी सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने यह अभियान थाना सदर प्रभारी उप निरीक्षक पवन कुमार के नेतृत्व में संचालित किया। इसमें डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम, स्थानीय पुलिस बल व गांव के पंच सरपंच, चौकीदार व अन्य मौजिज व्यक्तियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। टीमों द्वारा गांव के विभिन्न संवेदनशील स्थानों, सुनसान इलाकों, संदिग्ध ठिकानों व सार्वजनिक स्थानों पर गहन जांच की गई।

खबर संक्षेप

आज के युग में स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी : डॉ. बिजेंद्र

आदमपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राजकीय बहुतकनीकी मंडी आदमपुर के फार्मेसी विभाग द्वारा जागरूकता एवं संवाद पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा के कुशल निर्देशन में हुआ, जिसमें इस वर्ष की थीम स्वास्थ्य के लिए एकजुट-विज्ञान के साथ खड़े रहें को केंद्र में रखते हुए विभिन्न गतिविधियां संपन्न करवाई गईं। इस अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु सभी प्रतिभागियों द्वारा सामूहिक रूप से स्वास्थ्य संबंधी शपथ भी ली गई, जिसमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने, स्वच्छता बनाए रखने तथा दूसरों को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. बिजेंद्र सिंह ने छात्रों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि आज के युग में स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी है।विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि फार्मेसी के छात्र स्वास्थ्य क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ होते हैं।

मिर्चपुर में सर छोटूराम की प्रतिमा का अनावरण

नारनौंद। गांव मिर्चपुर में सर्वजातीय भाईचारे की तरफ से दीनबंधु सर छोटू राम की प्रतिमा का अनावरण बुधवार को एसडीएम विकास यादव के द्वारा गांव के मुख्य चौक पर किया गया। उन्होंने कहा कि दीनबंधु सर छोटूराम एक महान शख्सियत थी। युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। गांव की चौक पर ऐसी प्रतिमा लगाकर ग्रामीणों ने काफी सराहनीय कार्य किया है ताकि युवा उनसे प्रेरित होकर समाज में फैली सामाजिक कुरीतियों को रोकने के लिए अपना योगदान दे सके। युवा ही देश का भविष्य है। इस अवसर पर पूर्व सांसद सुरेंद्र सिंह बरवाला, ढांडा खाप के प्रधान देवव्रत ढांडा, सरपंच प्रतिनिधि अशोक कुमार, मास्टर चंद्रप्रकाश, ओम प्रकाश ढांडा विशेष रूप से कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान ग्रामीणों ने एसडीएम के सामने गांव के तालाब की सफाई, गायों के लिए घाट, सीसीटीवी कैमरे लगवाने सहित काफी मांगे रखी। इस अवसर पर गिल खाप के प्रधान राजेश गिल, पूर्व प्रिंसिपल सुरेश कुमार, पूर्व सरपंच सत्यवान ढांडा, नंबरदार एसोसिएशन के प्रधान कृष्ण, अजय पहलवान, सुभाष गिल, कृष्ण शर्मा, विजय पांचाल, दिलबाग, प्रदीप पानू, अजीत सिंह, मनीष दादा आदि मौजूद थे।

जाट कॉलेज में एचआईवी पर दिया व्याख्यान

हिसार। छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज में एचआईवी एड्स विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। हरियाणा राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी के आह्वान पर प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में साप्ताहिक विशेष गतिविधियों का आयोजन हो रहा है। इसके अंतर्गत बुधवार को महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के संयोजक डॉ राजपाल सिंह ने विद्यार्थियों को एचआईवी एड्स के संबंध में बहुमूल्य जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एचआईवी एड्स से संबंधित गलत धारणाओं को दूर करने में विद्यार्थी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सही जानकारी के माध्यम से भ्रामक मिथकों से बचाव तथा एचआईवी के प्रति जागरूकता को बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र कुमार बाजिया ने कहा कि एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता ही बचाव की दिशा में पहला कदम है।

बिजली कर्मियों की मांगें जल्द पूरी करे सरकार

बरवाला। हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित एचएसईबी वर्कर्स यूनियन की थर्मल खेदड़ यूनिट द्वारा एमडी एचपीजीसीएल पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को लगातार 14वें दिन विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन की अध्यक्षता यूनिट सहसचिव दीपक सहरावत ने की तथा संचालन सचिव सुरेश सैनी ने किया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए यूनिट सहसचिव दीपक सहरावत ने बताया कि एमडी एचपीजीसीएल को कर्मचारियों से संबंधित मांग पत्र सौंपा गया था, जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि जब तक कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान राज्य उपप्रधान शमशेर सिंह पूनिया व राज्य उपप्रधान दलजीत पंघाल, उकलाना सब यूनिट प्रधान मोनूह्वीन, भूना सब यूनिट प्रधान भगत सिंह, पूर्व प्रधान नोवा सिंह, उप प्रधान सोनू चाहर, अंग्रेज, पवन, रामनिवास आदि ने थर्मल कर्मचारियों को समर्थन देने के लिए विशेष रूप से पहुंचे।

कोहली के 6 छात्रों ने एनएमएमएस में मारी बाजी

आदमपुर। गांव कोहली के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के 6 छात्रों एनएमएमएस की परीक्षा में सफलता हासिल करके हिसार जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आज बच्चों की इस उपलब्धि पर आयोजित सम्मान समारोह में खण्ड शिक्षा अधिकारी उमेद सिंह ने नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप (एनएमएमएस) बच्चों के साथ-साथ वार्षिक परीक्षा परिणाम में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया। उपस्थित समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ जगदीप लोहान ने कहा कि हमारे स्कूल के विद्यार्थी सुमित, वर्षा, सरिता, निधि, आरती और कंचन कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियो के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। चयनित छात्रों को कक्षा 12वीं तक 48 हजार रुपये की छात्रवृति प्रदान की जाएगी जिससे उनकी पढ़ाई में आर्थिक सहयोग मिलेगा।

ओशो उपवन में मेडिटेशन कैंप 10 से

हिसार। ध्यान के विज्ञान को समझाने और आनंदमय जीवन जीने के उपायों को साझा करने के लिए ओशो ध्यान उपवन में 10 से 12 अप्रैल तक तीन दिवसीय मेडिटेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन सज गया है। इस कैंप में पंजाब से विशेष रूप से आचार्य शेखर शिरकत करेंगे। वे ओशो की देशनाओं से रूबरू करवाते हुए ध्यान के विज्ञान पर प्रकाश डालेंगे। मेडिटेशन कैंप के आयोजक स्वामी संजय व मां सांची ने बताया कि मेडिटेशन कैंप 10 से 12 अप्रैल तक जारी रहेगा और इसमें विभिन्न क्षेत्रों से साधक बढ़-चढक़र हिस्सा लेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

अंबाला में हुई डाक विभाग की समीक्षा बैठक में सामने आई उपलब्धि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

बचत बैंक और नागरिक सेवाओं में हिसार डाक मंडल प्रदेश में अव्वल

हिसार डाक मंडल ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे हरियाणा परिमंडल में अपना परचम लहराया है। बचत बैंक तथा नागरिक केंद्रित सेवाओं (आधार एवं पासपोर्ट) में हिसार मंडल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि मंगलवार को अंबाला में हुई विभाग की समीक्षा बैठक में सामने आई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य पोस्टमास्टर जनरल सचिन किशोर ने की, जिसमें हरियाणा परिमंडल के सभी मंडल अधीक्षक एवं उपमंडल प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्यों की समीक्षा व 2026-27 के लिए रणनीतियों पर चर्चा हुई। हिसार मंडल की ओर से अधीक्षक डाकघर अनिल कुमार रोज, हिसार पश्चिम सहायक अधीक्षक दीपक कुमार, हांसी सहायक अधीक्षक मंदीप कुमार, डाकघर टोहाना निरीक्षक शिवांशु, फतेहाबाद डाकघर निरीक्षक सतपाल, सिरसा प्रथम डाकघर निरीक्षक सोनू व द्वितीय निरीक्षक सज्जन कटारिया सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लेकर मंडल की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया।

हिसार मंडल की शानदार उपलब्धियां

डाक विभाग के छह प्रमुख वर्टिकल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मंडलों को सम्मानित किया गया, जिसमें हिसार मंडल ने बचत बैंक व नागरिक केंद्रित सेवाएं (आधार व पासपोर्ट) में प्रथम तथा डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा में द्वितीय स्थान स्थान प्राप्त किया। हिसार मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय कार्य करते हुए 1,90,177 बचत बैंक खाते व बचत पत्र खोले। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के तहत 24,064 सुकन्या समृद्धि खाते खोले। इसके अलावा पीएलआई व आरपीएलआई के तहत 43 करोड़ 48 लाख, 29 हजार 202 रुपये से अधिक प्रीमियम अर्जित किया।

41 लाख लोगों को सेवाएं

हिसार मंडल डाकघर अधीक्षक अनिल कुमार रोज ने बताया कि हिसार डाक मंडल अपने 515 डाकघरों के माध्यम से 41 लाख से अधिक आबादी को सेवाएं प्रदान कर रहा है। मंडल के 23 डाकघरों में आधार सेवाएं तथा हिसार व सिरसा के प्रधान डाकघरों में पासपोर्ट सेवा केंद्र संचालित हैं। रोज ने इस उपलब्धि का श्रेय डाक कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण को देते हुए कहा कि टीम वर्क और निरंतर प्रयासों के कारण ही यह सफलता संभव हो पाई है। उन्होंने आमजन से डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने की अपील भी की।

बरवाला में 10 किलोग्राम गांजे के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

बरवाला। सीआईए बरवाला की टीम ने 10 किलोग्राम गांजे सहित नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी एएसआई जयबीर और उनकी टीम गश्त के दौरान जींद रोड, बरवाला के पास मौजूद थी। इसी दौरान मिली सूचना पर उन्होंने नंद कॉलोनी टी-प्वाइंट, नजदीक गौरी शंकर महादेव मंदिर के पास छापा मारकर एक युवक को शक के आधार पर काबू किया। तलाशी में आरोपी के पास प्लास्टिक कट्टे से 10 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान बरवाला के वार्ड 12 स्थित प्रशांत कॉलोनी निवासी राहुल के रूप में हुई। आरोपी पर बरवाला थाना में केस दर्ज कर लिया गया है।

7.7 ग्राम हेरोइन सहित दो तस्कर पकड़े

आदमपुर। पुलिस ने हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। एएसआई रोहताश के नेतृत्व में पुलिस टीम मंडी आदमपुर में गश्त पर थी। इसी दौरान नशा तस्करी की सूचना पर उन्होंने शिव कॉलोनी के पास नाकाबंदी शुरू की तो मोटरसाइकिल सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें धर लिया। आरोपियों की पहचान शिव कॉलोनी में रह रहे आदमपुर निवासी सुरेन्द्र व महलसरा निवासी सुशील उर्फ छोटू के रूप में हुई है। आरोपियों से 7.7 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। दोनों पर केस दर्ज करके उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।